नई दिल्ली
शुक्रवार
11 सितंबर 2026
वर्षः 13, अंकः 08
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158

ईशान किशन और कौनैन कुरैशी के दम पर ईस्ट...पेज-06

हर माह 10 तारीख को लाभार्थियों के खातों

एक नजर

राष्ट्रपति मुर्मु से मिले प्रिंस रहीम आगा खान पंचम, विकास साझेदारी पर हुई चर्चा

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में प्रिंस रहीम आगा खान पंचम की मेजबानी की। दोनों के बीच हुई मुलाकात में विकास साझेदारी और भारत में आगा खान विकास नेटवर्क (एकेडीएन) की सामाजिक कल्याण संबंधी पहलों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति ने आगा खान के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद प्रिंस रहीम की पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर उनका स्वागत किया। उन्होंने उनके पिता दिवंगत आगा खान चतुर्थ के निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में आगा खान चतुर्थ और आगा खान विकास नेटवर्क द्वारा किए गए कार्यों को अत्यंत सम्मान और आत्मीयता के साथ देखा जाता है। मुर्मु ने भारत में एकेडीएन द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि नेटवर्क ने जल एवं स्वच्छता, शिक्षा, मातृ स्वास्थ्य, शहरी पुनर्विकास, महिला सशक्तीकरण और रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि एकेडीएन की ये पहल सरकार और निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ये परियोजनाएं यह भी दर्शाती हैं कि गैर-लाभकारी संगठन सरकार के साथ मिलकर काम करके लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार ला सकते हैं। राष्ट्रपति भवन में हुई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने विकास के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। मुलाकात के दौरान दोनों ने औपचारिक रूप से एक-दूसरे का अभिवादन किया और विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

भारत मंडपम में 27-28 अक्टूबर तक होगा इस्टिक 2026 का आयोजन

नई दिल्ली। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में आयोजित होने वाला इस्टिक 2026 (इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, साइंस, इनोवेशन × कोलोबोरेशन समिट) का आयोजन 27 से 29 अक्टूबर तक भारत मंडपम में किया जाएगा। तीन दिवसीय इस आयोजन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, स्टार्टअप, नीति-निर्माता, शिक्षाविद और नवाचार से जुड़े विशेषज्ञ एक मंच पर जुटेंगे। सम्मेलन के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम टेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, डीप-टेक, ब्लू इकोनॉमी, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और सतत विकास जैसे उभरते क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके अलावा प्रदर्शनी, तकनीकी सत्र, विशेषज्ञ व्याख्यान, स्टार्टअप शोकेस, बी टू बी बैठकें और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने वाले विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। गुरुवार को प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने बताया कि इस कॉन्क्लेव में तीन नोबेल पुरस्कार विजेता भाग ले रहे हैं। इसके अलावा तीन हजार से ज्यादा डेलिगेट्स इसमें आयेंगे जिसमें ज्यादातर युवाओं की भागीदारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रोत्साहित करना, अनुसंधान और उद्योग के बीच साझेदारी को मजबूत करना तथा भारत को वैश्विक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में नए अवसर तैयार करना है। सम्मेलन में 19 से ज्यादा केंद्रीय मंत्रालयों, वैज्ञानिक संस्थानों, उद्योग संगठनों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की भागीदारी भी प्रस्तावित है।

नरेन्द्र मोदी ने पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को संबोधित किया

अंतरिक्ष की संभावनाएं असीम और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारीः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा फ्रांस के पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को समयोचित पहल करने और उनके सौहार्दपूर्ण निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने इस ऐतिहासिक सम्मेलन में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रथम अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनकर उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ब्रह्मांड के प्रति मानवता के अटूट आकर्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरिक्ष ने सदियों से मानव कल्पना को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि यह सीमा अब पृथ्वी पर जलवायु और फसलों से लेकर महासागरों और समुदायों तक के दैनिक जीवन को संचालित करती है। श्री मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष की संभावनाएं असीम हैं और इसके प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

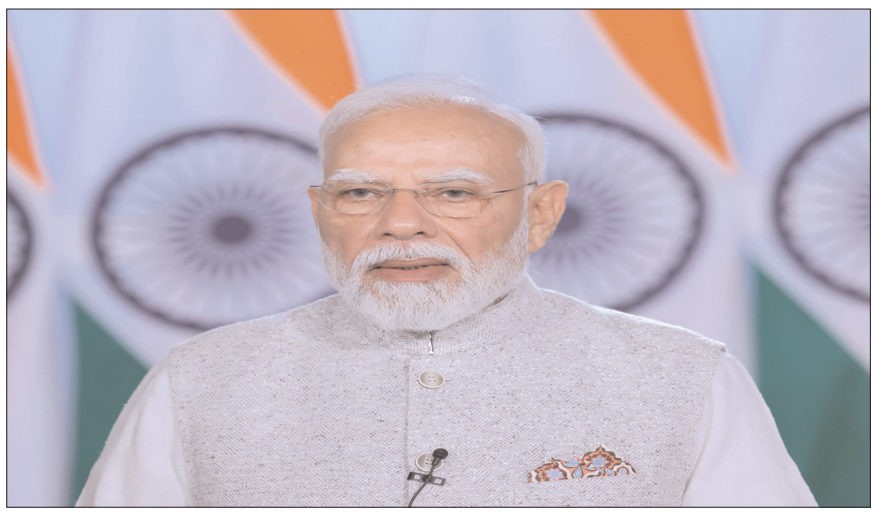

श्री मोदी ने ब्रह्मांड की बढ़ती जटिलता का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रहों की कक्षाओं में अब भीड़भाड़ बढती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी विकसित होने के साथ ही इसमें अधिक संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बल देकर कहा कि वैश्विक साझेदारियों में अल्पकालिक लाभों के बजाय दीर्घकालिक संवहनीयता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि हमारे विकल्प स्पष्ट होने चाहिए: टकराव के स्थान पर सहयोग, अल्पकालिक लाभ के स्थान पर संवहनीयता और निष्कर्षण के स्थान पर समावेशन अपनाया जाना चाहिए। अंतरिक्ष के प्रति भारत का दार्शनिक दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर आधारित है, जिसका अर्थ एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य है। उन्होंने एकता की इस भावना को पृथ्वी से परे एक सुरक्षित अंतरिक्ष क्षेत्र सुनिश्चित करने का पक्ष रखा। श्री मोदी ने कहा कि हम अंतरराष्ट्रीय विधि व्यवस्था, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित सुरक्षित, शांतिपूर्ण और संधारणीय अंतरिक्ष क्षेत्र का समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री ने पारदर्शी अनुसंधान के महत्व का उल्लेख करते हुए इस बात पर बल दिया कि भारत की वैश्विक यात्रा सार्वभौमिक कल्याण के दर्शन को पूर्णतया प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि सूचना का नैतिक साझाकरण यवैश्विक प्रगति के लिए सर्वोपरि है। श्री मोदी ने कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों का उपयोग पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के साथ जनहित में होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति का उल्लेख करते हुए मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन और नौवहन में उपग्रह प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक लाभों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन उन्नत क्षमताओं से किसानों और मछुआरों सहित आम लोग सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि इस यात्रा के केंद्र में स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो ने उत्कृष्टता और लागत प्रभावी मिशनों से वैश्विक सराहनाएं अर्जित की हैं। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रक्षेपण सेवाओं में भारत की विस्तृत भागीदारी का विवरण देते हुए घरेलू रॉकेटों द्वारा 34 देशों के 430 से अधिक पेलोड सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने का उल्लेख किया। उन्होंने इन सहयोगात्मक वैज्ञानिक प्रयासों की व्यापक वैश्विक उपयोगिता पर बल देते हुए कहा कि इसरो की प्रौद्योगिकियां और साझेदारियां न केवल भारत, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। इस संस्थागत सफलता का श्रेय देश के मानव संसाधन के अथक प्रयास को देते हुए प्रधानमंत्री ने भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों की पीढ़ियों के समर्पण और कड़ी मेहनत के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट किया। उन्होंने कहा कि उनके ही अथक प्रयासों से अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों के बीच इसरो को गौरवपूर्ण स्थान मिला है। श्री मोदी ने कहा कि दिन-रात काम करते हुए उन्होंने हर मिशन और हर सफलता के साथ इसरो की वैश्विक प्रतिष्ठा बढाई है।

भारत का श्रीलंकाई वायुसेना के लिए एल-70 तोपों के उन्नयन पर समझौता

नई दिल्ली,एजेंसी। श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को दौरे के आखिरी दिन श्रीलंकाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय साझेदारी के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करते हुए व्यापक चर्चा की। श्रीलंकाई वायु सेना के लिए एल-70 तोपों के उन्नयन पर समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही राष्ट्रीय रक्षा कॉलेजों और राष्ट्रीय कैडेट कोर के बीच शैक्षणिक सहयोग पर भी चर्चा हुई। इस दौरे में श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात में करीबी सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। रक्षा मंत्री एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ 08 सितंबर को श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा पर गए थे। राजनाथ सिंह आज श्रीलंका के नुवारा एलिया जिले में मौजूद सीता अम्मन मंदिर भी गए, जहां पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद मांगा। कोलंबो में पवित्र गंगारामया मंदिर जाने और भगवान बुद्ध का आशीर्वाद लेने का मौका मिला। इस दौरे में श्रीलंकाई वायुसेना के लिए एल-70 तोपों के उन्नयन पर समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया।

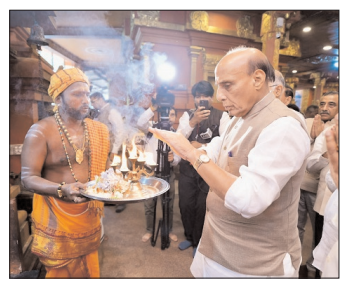

साथ ही राष्ट्रीय रक्षा कॉलेजों और राष्ट्रीय कैडेट कोर के बीच शैक्षणिक सहयोग पर भी चर्चा हुई। रक्षा मंत्री ने यात्रा के दूसरे दिन दित्वाह पुनर्वास के बाद 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत से भारतीय सेना इंजीनियरों की टीम के बनाए कुरूनेगला और बट्टीकलोआ में तीन बेली पुलों का वर्चुअल उद्घाटन किया। श्रीलंकाई वायुसेना और श्रीलंकाई नौसेना को भी पुर्जों की आपूर्ति की गई। उन्होंने कहा कि श्रीलंका की मेरी यात्रा ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों को शामिल करते हुए भारत-श्रीलंका के बीच गतिशील और बहुआयामी संबंधों को और अधिक गति दी है।' यात्रा के दौरान आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या और श्रीलंका सरकार को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि क्ष्आने वाले समय में भारत-श्रीलंका की दोस्ती नई ऊंचाइयों को छुएगी। श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के अपने दौरे के दौरान श्रीलंका के सीनियर मिलिट्री लीडरशिप से बातचीत करने का मौका मिला।

उनमें से कई ने भारत में ट्रेनिंग ली है और भारत के साथ उनका गहरा रिश्ता है। राजनाथ सिंह ने 'आपसी' और 'होलिस्टिक' ग्रोथ के लिए 'महासागर' के विजन पर ज़ोर दिया और समुद्री सहयोग पर भारत-श्रीलंका के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने की इच्छा दोहराई। कोलंबो में श्रीलंका के क्रिकेट खिलाड़ियों अरविंद डी सिल्वा, सनथ जयसूर्या और चमिंडा वास से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके शानदार प्रदर्शन के लिए भारत में लाखों लोग उनकी तारीफ करते हैं।

आपदा प्रबंधन में अब जनहानि रोकना प्राथमिकता, आपदा रोधी गांव और शहर बनाएंः अमित शाह

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश के आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन आया है। पहले आपदा को केवल राहत और पुनर्वास के नजरिये से देखा जाता था लेकिन अब जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व चेतावनी प्रणाली और जनहानि रोकने के लक्ष्य के साथ देश एक नए दौर में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य आपदा रोधी गांव और आपदा रोधी शहर बनाना है और इसे प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना है।

शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के संस्थान निकाय की तीसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश ने कई आपदाओं का सफलतापूर्वक इस तरह सामना किया है कि बड़ी जनहानि नहीं हुई। जनहानि रोकने का लक्ष्य केवल आपदा आने के बाद राहत एवं बचाव तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि आपदा को घटित होने से रोकने के उपायों पर भी ध्यान देना होगा। गृहमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन में सरकार के सभी विभागों को मिलकर काम करने की 'सम्पूर्ण सरकार' की कार्यप्रणाली को और मजबूत करना होगा। उन्होंने सभी हितधारकों को अपने-अपने विभागों में एजेंडे के क्रियान्वयन के लिए एक केंद्रित प्रकोष्ठ गठित करने और विभाग प्रमुखों को कम से कम तीन माह में एक बार इसकी समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर कांग्रेस के बयान की भाजपा ने की निंदा

नई दिल्ली,एजेंसी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के बयान को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। भाजपा ने कहा कि विश्व एआई समिट के बाद अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर कांग्रेस एक बार फिर देश के हितों के खिलाफ बयानबाजी कर रही है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि विश्व एआई समिट में भोंडा और नग्न प्रदर्शन करने के बाद, आदत से मजबूर कांग्रेस ने एक बार फिर ब्रिक्स समिट की पूर्व संध्या पर दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बयान दिया है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता पी. चिदंबरम साहब का यह कहना कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से क्या हासिल होगा?' न केवल उनकी सोच पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि ऐसा लगता है कि वे भारत आने वाले अनेक महत्वपूर्ण राष्ट्राध्यक्षों से भी अपनी समझदारी को ऊपर मान रहे हैं।

दिल्ली में एसडीआरएफ के गठन से आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य को मिलेगी गतिः रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने प्राकृतिक और मानवीय आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया है। दिल्ली सरकार अब अपनी राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) का गठन करेगी। इससे आपदा की स्थिति में प्रशिक्षित और विशेषज्ञ बल को घटनास्थल पर शीघ्र पहुंचाने, राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा जान-माल के नुकसान को कम करने में सहायता मिलेगी।

एसडीआरएफ के गठन के साथ ही दिल्ली सरकार अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों और सिविल डिफेंस वॉलंटियरों को भी विशेष प्रशिक्षण दिलाएगी ताकि आपदा की स्थिति में उपलब्ध स्थानीय मानव संसाधन आवश्यक कौशल और बेहतर समन्वय के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में योगदान दे सकें। इस विषय को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनडीआरएफ अधिकारियों ने दिल्ली में एसडीआरएफ के गठन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि दिल्ली में एसडीआरएफ 1100 जवान के बटालियन का गठन किया जा सकता है। यह बटालियन राज्य सरकार के अधीन कार्य करेगी और उसके आदेश पर आपदा की स्थिति में घटनास्थल पर तेजी से पहुंचकर प्रभावी राहत व बचाव कार्य कर सकेगी। एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित एसडीआरएफ के जवानों को आवश्यक प्रशिक्षण एनडीआरएफ उपलब्ध कराएगी। दिल्ली की भौगोलिक स्थिति और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष उपकरण आदि में एनडीआरएफ सहायता करेगी। एसडीआरएफ के गठन के बाद दिल्ली सरकार अपने फायर विभाग के स्टाफ और सिविल डिफेंस वॉलंटियरों को भी प्रशिक्षण दिलाएगी ताकि आपदा के समय विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ राहत-बचाव कार्य किए जा सकें।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के चलते राष्ट्रपति भवन, संग्रहालय और अमृत उद्यान 11 से 13 सितंबर तक बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति भवन संग्रहालय और अमृत उद्यान में आम लोगों का प्रवेश 11 से 13 सितंबर तक बंद रहेगा। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में शनिवार, 12 सितंबर को होने वाला 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह भी आयोजित नहीं किया जाएगा।

राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति भवन संग्रहालय और अमृत उद्यान में 11 से 13 सितंबर तक सार्वजनिक भ्रमण बंद रहेगा। इस अवधि में 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह भी नहीं होगा। 18वां ब्रिक्स नेताओं का शिखर सम्मेलन और बिजनेस फोरम 11 से 13 सितंबर तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हो रहा है। सम्मेलन में करीब 30 देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना के मद्देनजर राजधानी में व्यापक सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाएं की गई हैं। इसी के तहत राष्ट्रपति भवन समेत महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों में आम लोगों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगाई गई है। ब्रिक्स सम्मेलन को देखते हुए राजधानी में केंद्र और दिल्ली सरकार के कार्यालय 11 सितंबर को बंद रहेंगे। इसके अलावा स्कूलों और अदालतों में भी अवकाश रखा गया है। सम्मेलन के दौरान यातायात को सुचारु बनाए रखने और आम लोगों को कम-से-कम असुविधा हो, इसके लिए दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में यातायात संबंधी प्रतिबंध और विशेष व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने वाले विदेशी नेताओं और प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही के मद्देनजर नई दिल्ली क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से मजबूत किया गया है। प्रशासन की ओर से लोगों से भी इन दिनों अनावश्यक यात्रा से बचने और यातायात संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का शनिवार को होगा आगाज

नई दिल्ली,एजेंसी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के तहत सदस्य देशों और साझेदार देशों के नेताओं के लिए यहां के भारत मंडपम् में 12 एवं 13 सितंबर को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों में क्लोज डोर सत्र, भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी, साझा तस्वीर, संयुक्त पौधरोपण और प्रधानमंत्री की ओर से आयोजित रात्रिभोज शामिल हैं। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 10 सदस्य देशों और 10 साझेदार देशों के नेता शामिल होंगे। इसके अलावा 5 क्षेत्रीय संगठनों के अध्यक्ष या प्रतिनिधि तथा 7 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भी सम्मेलन में मौजूद रहेंगे।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्राजील को छोड़कर सभी 10 सदस्य देशों के शीर्ष नेता भाग ले रहे हैं। ब्राजील की ओर से विदेश मंत्री माउरो विएरा सम्मेलन में भाग लेंगे। वहीं चीन से राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके अलावा ईरान से राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, मिस्र से राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, इथियोपिया से प्रधानमंत्री अबिय अहमद अली, इंडोनेशिया से राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, और संयुक्त अरब अमीरात से अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भी सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार 12 सितंबर को दोपहर दो बजे ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं का भारत मंडपम पर आगमन होगा। इसके बाद शिखर सम्मेलन सभागार में 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना' विषय पर सदस्य देशों का सत्र होगा। इसी दिन शाम को भारत मंडपम में ही ब्रिक्स सदस्य देशों के नेता भारत इनोवेट्स प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इसके बाद भारत मंडपम के बाहरी लॉन में सदस्य देशों के नेता साझा तस्वीर के लिए इक्कठा होंगे। फिर संयुक्त पौधरोपण कार्यक्रम होगा।

रात को प्रधानमंत्री की ओर से राजकीय रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा। रविवार सुबह ब्रिक्स साझेदार देशों और आमंत्रित देशों के शासनाध्यक्षों एवं राष्ट्राध्यक्षों का भारत मंडपम में आगमन होगा। सुबह साझा तस्वीर के बाद शिखर सम्मेलन का खुला सत्र शुरू होगा। इसका विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता : समावेशी वैश्विक विकास के भविष्य को आकार देना' है। मंत्रालय का कहना है कि विषय 'मानवता प्रथम' की भावना पर आधारित जन-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। सम्मेलन में ब्रिक्स सहयोग और वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। ब्रिक्स के साझेदार देशों से बेलारूस के विदेश मंत्री मैक्सिम रिजेनकोव, बोलीविया की प्रभारी राजदूत अर्लेट गैब्रिएला बुस्टामांते गार्सिया, क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज पैरिला, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकायेव और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम हिस्सा लेंगे। नाइजीरिया के उपराष्ट्रपति काशिम शेट्टीमा, थाईलैंड के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री सिहासाक फुआंगकेटकेओ, युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका रोज एपेल अलुपो, उज्बेकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री जमशिद कुचकारोव तथा वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग भी शामिल होंगे।

शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन और मसूद पेजेश्कियन आएंगे भारत

BRICS
INDIA 2026

पंजाब में ड्रग्स के बढ़ते कारोबार पर कांग्रेस का 'आप' सरकार पर हमला

केजरीवाल ने दिल्ली में शराब से युवाओं को बर्बाद किया, पंजाब में ड्रग्स की आसान उपलब्धता से वही नीति दोहराई जा रही : देवेंद्र यादव

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पंजाब में बढ़ते मादक पदार्थों के कारोबार को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह दिल्ली में तत्कालीन केजरीवाल सरकार की आबकारी नीति के जरिए शराब की उपलब्धता बढ़ाकर युवाओं को प्रभावित किया गया, उसी तरह पंजाब में ड्रग्स की कथित आसान उपलब्धता के कारण युवा पीढ़ी और परिवारों पर गंभीर असर पड़ रहा है। देवेंद्र यादव ने पंजाब में दलित युवक गुलजार सिंह की मौत का हवाला देते हुए आम आदमी पार्टी सरकार और मंत्री हरपाल सिंह चीमा की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में मादक पदार्थों के कारोबार को लेकर सवाल उठाने के बाद गुलजार सिंह को कथित तौर पर लगातार उत्पीड़न का सामना करना पड़ा और अंततः उसकी मौत हो गई। कांग्रेस नेता ने इसे पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला बताया।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा इस मामले को उठाए जाने के बाद अरविंद केजरीवाल ने जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय दूसरों पर आरोप लगाने की राजनीति शुरू कर दी। यादव ने दावा किया कि पंजाब में मादक पदार्थों की तस्करी इतनी व्यापक है कि राजनीतिक संरक्षण और स्थानीय स्तर पर मिलीभगत के बिना इसका इस स्तर तक फैलना संभव नहीं है।

दिल्ली की आबकारी नीति का भी उठाया मुद्दा

देवेंद्र यादव ने दिल्ली की आबकारी नीति 2021-22 को लेकर भी केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने शराब की उपलब्धता बढ़ाने और बिक्री नेटवर्क में बड़े बदलाव के जरिए ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसका नुकसान दिल्ली के समाज और युवाओं को उठाना पड़ा। कांग्रेस नेता ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन समेत आम आदमी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब नीति के जरिए कथित तौर पर बड़े पैमाने पर आर्थिक लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई।

एनसीआरबी आंकड़ों का हवाला देकर सरकार को घेरा

यादव ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (ह्ष्टक्रक्ष) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पंजाब में मादक पदार्थों की समस्या गंभीर बनी हुई है। उन्होंने दावा किया कि 2024 में पंजाब में नशीले पदार्थों के ओवरडोज से 106 मौतें, जबकि 2023 में 89 और 2022 में 117 मौतें दर्ज हुईं। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पंजाब के युवाओं, परिवारों और सामाजिक ढांचे से जुड़ा गंभीर संकट है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार इस संकट को रोकने के बजाय राजनीतिक और आर्थिक हितों को प्राथमिकता दे रही है। देवेंद्र यादव ने कहा कि पंजाब में नशीले पदार्थों की तस्करी और युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने के आरोपों का जवाब आम आदमी पार्टी सरकार को देना होगा। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी को उसी तरह जवाब देगी, जिस तरह दिल्ली की जनता ने कथित शराब नीति के मुद्दे पर उसे सत्ता से बाहर किया।

नोटः गुलजार सिंह, हरपाल सिंह चीमा और पंजाब में ड्रग्स तस्करी से जुड़े आरोपों को कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव के बयान के रूप में प्रस्तुत किया गया है; इन्हें स्वतंत्र रूप से सिद्ध तथ्य के रूप में नहीं लिखा गया है।

176 नए वाहनों से दक्षिणी दिल्ली की सफाई होगी मजबूत

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने दक्षिणी दिल्ली में घर-घर कचरा संग्रहण और उसके परिवहन की व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने गुरुवार को निगम मुख्यालय स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर से 176 नए स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों की तैनाती से दक्षिणी क्षेत्र के पांच वार्डों में कचरा संग्रहण, उठान और परिवहन की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दक्षिणी क्षेत्र में 176 नए स्वच्छता वाहनों की तैनाती दिल्ली की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि निगम स्वच्छता संसाधनों में लगातार वृद्धि कर रहा है और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की सफाई व्यवस्था में लगातार सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि नए स्वच्छता वाहनों की तैनाती दक्षिणी क्षेत्र के वसंत विहार, वसंत कुंज, ग्रीन पार्क, ग्रेटर कैलाश और सी.आर. पार्क वार्डों में की जा रही है। इनमें 150 प्राथमिक कचरा संग्रहण वाहन शामिल हैं। इन वाहनों में 112 टिपर तथा 38 ई-रिक्शा और तिपहिया वाहन हैं। इनके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर कचरा एकत्र करने की व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा 26 द्वितीयक वाहन भी स्वच्छता व्यवस्था में लगाए गए हैं। इनमें कचरा संग्रहण वाहन, हुक लोडर, टाटा-407, जेसीबी और बॉबकैट जैसे वाहन शामिल हैं। इन वाहनों का उपयोग कचरे के उठान, परिवहन और प्रबंधन में किया जाएगा। निगम का मानना है कि प्राथमिक और द्वितीयक वाहनों की संख्या बढ़ने से कचरे के संग्रहण से लेकर उसके उचित स्थान तक पहुंचाने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित हो सकेगी। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि स्वच्छता और कचरा प्रबंधन निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। दक्षिणी दिल्ली के पांच महत्वपूर्ण वार्डों में आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल स्वच्छता वाहनों की तैनाती से जमीनी स्तर पर सफाई सेवाओं की कार्यक्षमता में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि पर्याप्त संख्या में प्राथमिक और द्वितीयक वाहनों की उपलब्धता से कचरा संग्रहण और परिवहन की पूरी व्यवस्था अधिक प्रभावी तथा व्यवस्थित होगी। सत्या शर्मा ने कहा कि निगम का उद्देश्य नागरिकों को नियमित, बेहतर और जवाबदेह स्वच्छता सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए संसाधनों को बढ़ाने के साथ-साथ उनके प्रभावी उपयोग और निगरानी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आईआईटी दिल्ली ने शुरू किया चीफ ऑफ स्टाफ के लिए एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली के कंटिन्यूइंग एजुकेशन प्रोग्राम (सीईपी) ने चीफ ऑफ स्टाफ के लिए सात महीने का एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम शुरू किया है। ऑनलाइन संचालित होने वाला यह कार्यक्रम उन वरिष्ठ प्रोफेशनल्स के लिए तैयार किया गया है, जो लीडरशिप टीमों के साथ काम करते हुए संगठन की रणनीतिक पहलों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को रणनीतिक सोच, नेतृत्व, हितधारक प्रबंधन, संगठनात्मक तालमेल, बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन, प्रोजेक्ट क्रियान्वयन और प्रभावी निर्णय लेने से जुड़े फ्रेमवर्क की जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य रणनीति तैयार करने और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के लिए प्रोफेशनल्स को तैयार करना है। प्रोग्राम में विशेषज्ञों के लाइव ऑनलाइन सत्र, केस स्टडी आधारित चर्चाएं, असाइनमेंट और एप्लाइड लर्निंग गतिविधियां शामिल होंगी। प्रतिभागियों को कैपस्टोन प्रोजेक्ट के माध्यम से वास्तविक कारोबारी परिस्थितियों में सीखी गई अवधारणाओं को लागू करने का अवसर भी मिलेगा। इसके अलावा, आईआईटी दिल्ली में वैकल्पिक कैंपस इमर्शन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। कार्यक्रम का समन्वय डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के प्रो. संजय धीर और एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. सोनाली जैन कर रहे हैं। लाइव ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से कार्यरत प्रोफेशनल्स नौकरी के साथ अपनी नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक भूमिकाओं के लिए जरूरी कौशल विकसित कर सकेंगे।

शार्प साइट आई हॉस्पिटल के 14 साल पूरे, भव्य पूजा का आयोजन

नई दिल्ली। इंदिरापुरम स्थित शार्प साइट आई हॉस्पिटल ने अपने 14वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर अस्पताल परिवार ने समारोह में शामिल होकर अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अतिथियों, मरीजों, उनके परिजनों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। अस्पताल प्रबंधन ने 14 वर्षों की सेवा यात्रा को मरीजों के विश्वास और निरंतर चिकित्सा सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, स्थापना के बाद से अब तक शार्प साइट आई हॉस्पिटल में 1.5 लाख से अधिक मरीजों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं। अस्पताल का उद्देश्य आधुनिक चिकित्सा तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सहायता से मरीजों को बेहतर एवं विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा है। शार्प साइट आई हॉस्पिटल में विभिन्न प्रकार की नेत्र संबंधी समस्याओं के उपचार के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और तकनीकों का उपयोग किया जाता है। अस्पताल में अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मरीजों की जांच, परामर्श और उपचार की सेवाएं उपलब्ध कराती है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के साथ विश्वसनीय उपचार और संतोषजनक सेवाएं उपलब्ध कराना उसकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। चिकित्सा सुविधाओं को लगातार बेहतर बनाने के साथ मरीजों की आवश्यकताओं के अनुरूप उपचार व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। अस्पताल की सामाजिक पहलें भी उसकी सेवा गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ग्रामीण और झुग्गी-बस्तियों वाले क्षेत्रों में समय-समय पर निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की आंखों की जांच, चिकित्सकीय परामर्श तथा आवश्यकतानुसार आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय की कार्यवाही में पीजी एवं अन्य भवनों के विरुद्ध एमसीडी की प्रवर्तन एवं निरीक्षण कार्रवाई का संज्ञान

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शहर में पीजी आवासीय भवनों एवं अन्य भवनों के विरुद्ध अपने निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान को तेज कर दिया है। इस संबंध में की जा रही कार्रवाई का उल्लेख माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विविध आवेदन (सिविल) डायरी संख्या 17103/2026 की कार्यवाही में भी हुआ है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में एमिकस क्यूरी के इस कथन को दर्ज किया गया है कि 'ऐसा प्रतीत होता है कि चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं।' उन्होंने आगे प्रस्तुत किया कि यद्यपि दिल्ली उच्च न्यायालय ने पीजी हॉस्टल से जुड़ी दुखद घटना के बाद इस विषय का संज्ञान लिया था, तथापि संबंधित मुद्दों को वर्तमान कार्यवाही में समय-समय पर पारित आदेशों के अनुपालन में संबंधित प्राधिकरणों द्वारा की जा रही कार्रवाई तथा प्रस्तुत की जा रही रिपोर्टों के माध्यम से संबोधित किया जा रहा है। कार्यवाही में यह भी दर्ज है कि दिल्ली में निरीक्षण किए गए हैं, जिनमें दिल्ली में निर्देशों के अंतर्गत विशेष रूप से शामिल क्षेत्र—लाजपत नगर, मालवीय नगर, साकेत और सरोजिनी नगर—भी शामिल हैं। एमसीडी ने दिल्लीभर में पीजी आवासीय भवनों का व्यापक सर्वेक्षण पहले किया है। अब तक लगभग 1,355 ऐसे भवनों की पहचान की गई है, जहां पीजी सुविधाएं संचालित हो रही हैं तथा लगभग 27,000 निवासियों का विवरण दर्ज किया गया है। एमसीडी द्वारा निरीक्षण किए जा रहे हैं और जहां भी अनधिकृत निर्माण, परिसर के दुरुपयोग, भवन नियमों, अग्नि सुरक्षा तथा अन्य वैधानिक आवश्यकताओं से संबंधित उल्लंघन पाए जा रहे हैं, वहां प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। एमसीडी आयुक्त संजीव खिरवार ने दोहराया कि निरीक्षण, सर्वेक्षण एवं प्रवर्तन अभियान दिल्लीभर में निरंतर और प्रभावी रूप से जारी रहेगा। एमसीडी भवन नियमों एवं वैधानिक प्रावधानों के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा जनसुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जर्जर इमारतों पर एमसीडी की सख्ती, 12 जोन में होगा सर्वे

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। राजधानी में जर्जर और असुरक्षित इमारतों से होने वाले हादसों को रोकने के लिए दिल्ली नगर निगम ने अब व्यापक स्तर पर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। स्थायी समिति की अध्यक्ष श्रीमती सत्या शर्मा ने गुरुवार को सभी 12 जोन के उपायुक्तों और एग्जीक्यूटिव इंजीनियरों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर असुरक्षित एवं जर्जर भवनों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह और सदन के नेता जयभगवान यादव भी मौजूद रहे।

सत्या शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सत्य निकेतन भवन हादसे से सबक लेते हुए सभी 12 जोन में असुरक्षित एवं जर्जर इमारतों का समयबद्ध सर्वे कराया जाए। सर्वे के आधार पर अत्यधिक जोखिम वाली इमारतों की प्राथमिकता सूची तैयार कर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि चिन्हित असुरक्षित इमारतों की सर्वे रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत की जाए। रिपोर्ट में भवनों के सर्वे, जारी किए गए नोटिस, सीलिंग, आंशिक अथवा पूर्ण ध्वस्तीकरण तथा लंबित मामलों की पूरी जानकारी शामिल हो। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि पुराने बाजारों, घनी आबादी वाले क्षेत्रों तथा सड़क, बाजार और सार्वजनिक स्थानों के आसपास स्थित जर्जर एवं असुरक्षित इमारतों को विशेष प्राथमिकता दी जाए। जिन भवनों को पहले ही असुरक्षित घोषित किया जा चुका है, उनमें नियमानुसार सीलिंग, खाली कराने तथा आंशिक या पूर्ण ध्वस्तीकरण की कार्रवाई निर्धारित समयसीमा में पूरी की जाए। बैठक में सत्य निकेतन भवन हादसे का भी संज्ञान लिया गया। सत्या शर्मा ने भवन की अवैध पांचवीं मंजिल के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि अवैध निर्माण के कारण किसी भवन की संरचनात्मक सुरक्षा प्रभावित होती है तो इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। दिल्ली में चल रहे पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासों के सर्वेक्षण की रिपोर्ट भी बैठक में मांगी गई। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि कोई भी पीजी असुरक्षित या जर्जर इमारत में संचालित न हो। ऐसे भवनों की सुरक्षा स्थिति की जांच कर नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। सत्या शर्मा ने भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा के आकलन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि एमसीडी के पास अपने स्ट्रक्चरल इंजीनियर होने चाहिए, ताकि निगम स्तर पर ही भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा का प्रभावी और समयबद्ध आकलन किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को जनता, पार्षदों, आरडब्ल्यूए और अन्य माध्यमों से मिलने वाली असुरक्षित इमारतों की शिकायतों का भी समयबद्ध सत्यापन करने के निर्देश दिए। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि जिस जोन या वार्ड में अवैध निर्माण चल रहा है, वहां संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। यदि अवैध निर्माण की जानकारी होने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं की जाती है तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाए।

डीयू में पांच साल में हॉस्टल में सीटों की संख्या होगी दोगुनी, फिर भी रहेगी जरूरत

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा है कि वह अपने यहां हॉस्टल की सीटों में वृद्धि करेगा। कुछ हॉस्टल निर्माणाधीन हैं जो अगले कुल वर्षों में पूरे हो जाएंगे। इससे हास्टल में सीटों की संख्या दो गुनी हो जाएगी। डीयू का कहना है कि विश्वविद्यालय हॉस्टलों को लेकर पिछले वर्षों में काफी गंभीरता से काम करता रहा है, इसी का परिणाम है कि पिछले 4-5 वर्षों में डीयू में हॉस्टलों की सीटों की संख्या दोगुने से अधिक होने जा रही है। आगामी दिनों में भी विश्वविद्यालय द्वारा सरकार के पास जल्दी ही कई नए प्रोजेक्ट्स सबमिट किए जाएंगे। हालांकि डीयू में वर्तमान में 2.75 लाख लगभग छात्र रेगुलर की पढ़ाई में नामांकित हैं। ऐसे में यह सीटें 10 फीसद भी नहीं हैं।

डीयू द्वारा जारी की गई जानकारी में कहा गया है कि पिछले 100 वर्ष में यूनिवर्सिटी स्तर पर 3422 हॉस्टल सीटें थी। अब इनमें 3922 नई सीटों की वृद्धि के साथ कुल सीटों की संख्या दोगुनी से अधिक होकर 7344 होने जा रही है। विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में भी पिछले 100 वर्षों में कुल उपलब्ध सीटों की संख्या 3788 थी, जिसमें 1622 सीटों की वृद्धि के साथ कॉलेजों में कुल हॉस्टल सीटों की संख्या बढ़कर 5410 होने जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि आगामी दिनों में डीयू और इसके कॉलेजों को मिलकर कुल हॉस्टल क्षमता 12754 सीटों की होने जा रही है। नई सीटों के लिए हॉस्टलों का निर्माण जारी है जिसके आगामी महीनों में पूरा होने का अनुमान है। डीयू के ढाका कॉम्प्लेक्स में ही 1450 सीटों वाले आईओई हॉस्टल का निर्माण चल रहा है जोकि बहुत जल्दी पूर्ण होने वाला है। इसके अलावा निर्भया रेजीडेंसल अकोमोडेशन के नाम से महिलाओं के लिए 1000 सीटों का हॉस्टल निर्माणाधीन है। इसके अतिरिक्त 1050 सीटों वाला स्टूडियो अपार्टमेंट भी निर्माणाधीन है। ऐसे ही और भी हॉस्टलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। निकट भविष्य में कई और नए हॉस्टल प्रोजेक्टों पर भी काम शुरू होने जा रहा है।

खुदाई के बाद सड़कों की मरम्मत न करने पर सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। बुराड़ी क्षेत्र में सीवर-पाइपलाइन के काम के लिए सड़कों की खुदाई के बाद उन्हें ठीक नहीं किए जाने और प्रदूषण बढ़ने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कई इलाकों में सड़कें लंबे समय से बदहाल हैं और वाहनों की आवाजाही से लगातार धूल उड़ रही है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने मामले में संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई 25 नवंबर को तय की है। मामला बुराड़ी निवासी अधिवक्ता नंदना हरिकृष्णन की ओर से दायर आवेदन से जुड़ा है। याचिका में कहा गया कि बुराड़ी और आसपास के इलाकों में करीब दो लाख लोग बदहाल सड़कों और धूल की समस्या से प्रभावित हैं। खासतौर पर नत्थूपुरा से आउटर रिंग रोड तक का मार्ग लंबे समय से परेशानी का कारण बना हुआ है। इस मार्ग पर नालंदा स्कूल और बुराड़ी सरकारी अस्पताल के पास भी सड़कें कई बार खोदी गईं। याचिका के मुताबिक, सीवर और पाइपलाइन का काम वर्ष 2022 से अलग-अलग हिस्सों में चलता रहा, लेकिन खुदाई के बाद सड़कों की पर्याप्त मरम्मत नहीं की गई। आवेदन में यह भी कहा गया कि धूल कम करने के लिए पानी का छिड़काव नियमित और प्रभावी तरीके से नहीं हो रहा। बारिश के दौरान जलभराव और सीवर का पानी सड़क पर आने से समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। याचिकाकर्ता ने सड़कों की समयबद्ध तरीके से मरम्मत के लिए व्यापक योजना बनाने और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। एनजीटी ने दिल्ली सरकार और अन्य पक्षकारों से इस संबंध में जवाब मांगा है।

एमसीडी का बड़ा प्रवर्तन अभियानः 41 ध्वस्तीकरण, 61 संपत्तियां सील

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अनधिकृत निर्माण, खतरनाक भवनों और भवन उपविधियों के उल्लंघन के खिलाफ दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। गुरुवार को निगम के सभी 12 जोनों में व्यापक कार्रवाई करते हुए 41 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गईं, जबकि 61 संपत्तियों को सील किया गया। इसके साथ ही 32 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और 3 ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए गए। एमसीडी के अनुसार, इससे एक दिन पहले भी बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई थी। उस दौरान मास्टर प्लान दिल्ली और भवन उपविधियों के उल्लंघन के चलते 46 संपत्तियों को ध्वस्त तथा 20 संपत्तियों को सील किया गया था।

खुरेजी खास से उत्तम नगर तक कार्रवाई

गुरुवार की कार्रवाई में ईस्ट जोन के खुरेजी खास, जगतपुरी और लक्ष्मी नगर में कई अनधिकृत निर्माणों पर बुलडोजर चला। वेस्ट जोन में पश्चिम पुरी और मादीपुर में पहली से तीसरी मंजिल तक रूफ पैनल काटे गए। सुभाष नगर में रूफ पैनल काटने के साथ चौथी मंजिल पर बने टॉयलेट ब्लॉक को ध्वस्त किया गया। विपिन गार्डन, उत्तम नगर में भूतल का रूफ पैनल ध्वस्त किया गया। इसी तरह आकाश विहार, बक्करवाला रोड के पास एक संपत्ति को पूरी तरह ध्वस्त किया गया। नांगली विहार में पहली मंजिल का रूफ पैनल और दो दीवारें तोड़ी गईं, जबकि निहाल विहार, नांगलोई में चौथी मंजिल के दो स्लैब पैनल ध्वस्त किए गए। सेंट्रल जोन में मदनपुर खादर एक्सटेंशन के एक त्न+5 भवन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांचवीं मंजिल के चार पैनल काटे गए और बाद में भवन को सील कर दिया गया।

दिल्ली में 1,355 पीजी भवनों का सर्वे

एमसीडी ने दिल्लीभर में संचालित पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासीय भवनों का व्यापक सर्वेक्षण भी किया है। निगम के मुताबिक अब तक 1,355 पीजी भवनों की पहचान की गई है, जिनमें करीब 27,000 लोग रह रहे हैं। निगम का कहना है कि सर्वेक्षण का उद्देश्य पीजी भवनों का विस्तृत डेटाबेस तैयार करना और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आगे की नियामक एवं प्रवर्तन कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करना है।

चांदनी चौक में बेसमेंट की 54 अवैध दुकानें सील

उधर, चांदनी चौक के कूचा महाजनी में बेसमेंट में संचालित 54 अवैध दुकानों को सील कर दिया गया। एमसीडी ने यह कार्रवाई मॉनिटरिंग कमेटी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में की। निगम के अनुसार, संपत्ति संख्या 1167/1094, 1165/1103, 1153 और 1167/1095 के बेसमेंट में अवैध व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। कार्रवाई BBL-2016 और MPD-2021 के उल्लंघन के आधार पर की गई। निगम ने यह भी कहा कि अग्निशमन विभाग सहित संबंधित सक्षम वैधानिक प्राधिकरणों से आवश्यक स्वीकृतियां/अनापत्तियां प्राप्त नहीं की गई थीं। एमसीडी ने DMC Act की धारा 345-ए को धारा 347 के साथ पढ़ते हुए सीलिंग आदेश जारी किए और सभी 54 दुकानों को सील कर दिया।

'आगे और तेज होगा अभियान'

एमसीडी ने स्पष्ट किया है कि अनधिकृत निर्माण, संपत्तियों के दुरुपयोग, खतरनाक संरचनाओं और भवन उपविधियों के अन्य उल्लंघनों के खिलाफ अभियान आने वाले दिनों में और तेज किया जाएगा। निगम के अनुसार कई अन्य संपत्तियों की पहचान की जा चुकी है और उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम ने कहा कि जनसुरक्षा और वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

आईजीआई पर दो कार्रवाईयों में तीस किलो से अधिक गांजा पकड़ा गया

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में 30 किलो से अधिक संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया है। इन मामलों में छह यात्रियों को पकड़ा गया है। सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, 9 सितंबर को एपीआईएस प्रोफाइलिंग के आधार पर बैंकॉक से दिल्ली पहुंचे विमान के दो यात्रियों पर निगरानी रखी गई। उनके चेक-इन सामान की निगरानी के दौरान पता चला कि काठमांडू से दिल्ली पहुंचे दो अन्य यात्री उनका सामान लेने का प्रयास कर रहे थे। कस्टम अधिकारियों ने दोनों को ग्रीन चैनल से बाहर निकलते समय पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि बैंकॉक से आए यात्रियों का सामान लेने के लिए उन्हें कहा गया था। इसके बाद बैंकॉक से आए दोनों यात्रियों को भी रोका गया। उनके सामान की एक्स-रे जांच में संदिग्ध तस्वीरें मिलने पर तलाशी ली गई। सामान से हरे रंग का पदार्थ बरामद हुआ, जो प्रथम दृष्टा हाइड्रोपोनिक गांजा प्रतीत हुआ। पैकेजिंग समेत इसका कुल वजन 27.450 किलो था। चारों यात्रियों, बरामद पदार्थ और सामान को आगे की कार्रवाई के लिए प्रिवेंटिव शिफ्ट-बी को सौंप दिया गया। वहीं, 7 सितंबर को कस्टम अधिकारियों ने प्रोफाइलिंग के आधार पर फुकेत से बैंकॉक होते हुए दिल्ली पहुंचे एक भारतीय यात्री को टर्मिनल-3 के ग्रीन चैनल पर रोका।

एक नजर

नौकरी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का प्रयास

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र के मामूरा गांव स्थित एक फ्लैट में युवती को नौकरी का झांसा देकर युवक अपने साथ ले आया। एक सप्ताह पूर्व आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जिला कन्नौज निवासी युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह वर्ष 2022 से सूरजपुर में रहकर नौकरी कर रही हैं। सेक्टर-85 स्थित एक प्राइवेट कंपनी में एचआर के पद पर थीं। 13 अगस्त 2026 को उन्होंने वहां नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद वह नई नौकरी की तलाश कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें मोनू नामक युवक ने नौकरी के लिए बतौर कंट्रिक्टर फोन किया। आरोप है कि कई बार बातचीत होने के बाद उसने झांसा देकर फेज-दो स्थित बस स्टैंड पर बुलाया। वहां पहुंचने के बाद उसने कंपनी दिखाने की बात कहकर अनजान स्थान पर ले गया। वहां आरोपी ने जबरदस्ती करने का प्रयास किया। विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने चार-पांच लड़कों को बुलाकर उनके द्वारा भी जबरदस्ती करने की धमकी दी। पीड़िता किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर बालकनी में पहुंच गई। पीड़िता का बैग कमरे में छूट गया और उन्होंने बालकनी से शोर मचाना शुरू कर दिया। तभी आरोपी ने डर के चलते बैग दे दिया और भाग गया। पीड़िता के मुताबिक, उन्होंने फोन करके अपने भाई को पूरी जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि घटना मामूरा गांव की है। युवती की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

होटल में युवती से तेजाब डालने की धमकी

नोएडा। इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई दोस्ती के बाद युवक दिल्ली से युवती लेकर नोएडा आ गया। सेक्टर-71 स्थित एक होटल के कमरे में युवक ने मनमानी करने का प्रयास किया। युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। तेजाब डालकर जान से मारने की धमकी दी। युवती के पिता की शिकायत पर फेज-तीन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से हिमाचल की राजधानी शिमला निवासी युवती व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी दिल्ली में पिछले तीन वर्ष से रहती है। वह दिल्ली में नौकरी करती है। कुछ समय पहले उनकी बेटी की इंस्टाग्राम पर भविष्य शर्मा नामक युवक से दोस्त हो गई। इसकी जानकारी परिवार के लोगों को नहीं हुई। युवती ने परिजन को बताया कि एक सितंबर को भविष्य शर्मा दोस्ती का झांसा देकर वह उसे नोएडा के सेक्टर-71 स्थित एक होटल में ले आया। वहां पर आरोपी ने युवती पर गलत आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। आरोपी ने मनमानी करने की कोशिश की। विरोध करने पर मारपीट की और तेजाब डालकर जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह उनकी बेटी आरोपी के चंगुल से छूटकर भागी और परिजन को आपबीती बताई। थाने पहुंचकर युवती के पिता ने पुलिस को जानकारी दी। घटना के बाद से युवती बेहद डरी हुई है। पुलिस का कहना है कि युवती के पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पोते को स्कूल बस में छोड़कर घर लौट रही बुजुर्ग महिला को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर नोएडा में थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के परथला गांव के पास गुरुवार की सुबह अपने पोते को स्कूल बस में चढ़ाकर घर लौट रहीं 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला को एक अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शीला (65) गढी चौखंडी गांव की रहने वाली थीं। वह 12वीं में पढ़ने वाले अपने पोते को आज सुबह स्कूल बस में चढ़ाने के लिए गई थीं। पोते को स्कूल बस में चढ़ाने के बाद वह वापस घर लौट रही थीं, तब ही परथला के पास डिवाइडर पार करते समय अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस द्वारा उन्हें नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हड़ताली सफाई कर्मियों ने बाजार में काले झंडे लेकर रैली निकाली

सोहना। मांगों को लेकर पिछले 35 दिनों से हड़ताल कर रहे नगर परिषद के सफाई कर्मियों ने गुरुवार को बाजार में काले झंडे लेकर रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। अपनी मांगें पूरी न होने तक संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया। पिछले 35 दिन से सफाई कर्मी अपनी मांगों को लेकर जमीन पर बैठकर संघर्ष कर रहे है। इन 35 दिनों में कई बार स्थानीय बाजारों की सड़कों पर उतकर रोष प्रकट कर चूके है। गुरुवार को नगर परिषद के सफाई कर्मियों ने यूनिट प्रधान विक्रम और उपप्रधान सुभाष खटाना ने रैली की अगुवाई की। इस दौरान सफाई कर्मियों ने अपने हाथों में काले झंडे और झाडुओं को पकड़ ऊपर उठाएं हुए थे। रैली के दौरान हड़ताल कर्मचारी शांति बनाकर अपना विरोध प्रकट करे। इसलिए शहर चौकी से पुलिस वाहन में टीम साथ-साथ चली।

नौकरी का झांसा दे इंजीनियर से पौने सात लाख की ठगी

गाजियाबाद,एजेंसी। जालसाज ने प्रतिष्ठित कंपनी में जीएम पद पर नौकरी दिलवाने का झांसा देकर क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में रहने वाले इंजीनियर से 6.78 लाख रुपये ठग लिए। आरोपी ने खुद को नौकरी डॉट कॉम का एचआर मैनेजर बताकर पीड़ित को जाल में फंसाया। ठगी का पता लगने पर पीड़ित इंजीनियर ने साइबर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

क्रॉसिंग रिपब्लिक की अरिहंत एंबिएंस सोसाइटी निवासी आकाश सरन लाल ने साइबर थाने में शिकायत दी कि पांच अगस्त को पृथ्वीराज सिंह नामक व्यक्ति ने कॉल और ई-मेल कर खुद को नौकरी डॉट कॉम का एचआर मैनेजर बताया। उसने मैकिंसे कंपनी में गुरुग्राम जीएम पद खाली होने की जानकारी देकर रिज्यूम और आधार कार्ड मांगा। नौकरी की उम्मीद में आकाश ने उसी दिन दस्तावेज भेज दिए। 11 अगस्त को मैकिंसे के सिंगापुर कार्यालय के नाम से इंटरव्यू के लिए फोन आया। 12 और 13 अगस्त को भी फोन पर इंटरव्यू लिया गया। 14 अगस्त को फोन और ई-मेल से चयन की सूचना दी गई। इसके बाद जालसाजों ने कंपनी कंसल्टिंग क्षेत्र की होने का हवाला देकर ज्वाइनिंग से पहले कंसल्टिंग कोर्स करना अनिवार्य बताया और इसके नाम पर 49 हजार 800 रुपये जमा करा लिए।

पीड़ित के मुताबिक, कोर्स की रकम जमा कराने के बाद जालसाजों ने अलग-अलग प्रक्रियाओं के नाम पर लगातार भुगतान कराया। 17 अगस्त को बैकग्राउंड वेरिफिकेशन के लिए 92 हजार 400 रुपये, जबकि 18 अगस्त को घर पर एआईआईएमएस की मेडिकल वैन आने की बात कहकर 1.30 लाख रुपये लिए गए। 19 अगस्त को सिंगापुर कार्यालय से दस्तावेज लाने वाले पीआरओ की व्यवस्था के नाम पर 94 हजार 600 रुपये जमा कराए गए। 21 अगस्त को कोलेटरल डिपॉजिट के नाम पर 2.61 लाख रुपये मांगे गए, जिसे पीड़ित ने

बैंक सर्वर की समस्या बताकर तीन बार में ट्रांसफर किया। 22 अगस्त को आईटी इक्विपमेंट फीस सिक्योरिटी के नाम पर 3.27 लाख रुपये और मांगे गए तो पीड़ित को शक हुआ। उन्होंने पूर्व भुगतानों और मेडिकल समेत अन्य प्रक्रियाओं का विवरण मांगा और स्पष्ट किया कि जानकारी मिलने तक कोई रकम नहीं देंगे। आरोप है कि जालसाजों ने 99 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी होने का दावा करते हुए तत्काल भुगतान का दबाव बनाया और 25 अगस्त को मुंबई हेड ऑफिस में बैठक के बाद पूरी रकम लौटाने का भरोसा दिया। आकाश सरन लाल के मुताबिक, जालसाजों ने 25 अगस्त को दिल्ली से मुंबई जाने के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस का टिकट भेजा, लेकिन वापसी का टिकेट नहीं दिया। वापसी का टिकट मांगने पर कहा गया कि मुंबई में बैठक कितने समय चलेगी, यह तय नहीं है। इससे उनका शक गहरा गया। जब उन्होंने भुगतान के लिए रुपये नहीं होने की बात कही तो मैकिंसे के अधिकारियों और नौकरी डॉट कॉम के कथित एचआर मैनेजर ने उधार लेकर रकम देने का दबाव बनाया। इसके बाद उन्होंने 22 अगस्त को 50 हजार रुपये और ट्रांसफर किए। इसे अंतिम भुगतान बताने के बावजूद पृथ्वीराज लगातार फोन कर रकम मांगता रहा। कुल 6.78 लाख रुपये भेजने के बाद परेशान होकर उन्होंने 23 अगस्त को साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की। इसके बाद साइबर थाने में शिकायत दी गई। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि नौ सितंबर को मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

किसानों का ऐलान - मांगें पूरी होने तक धरना जारी रहेगा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में किसान संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में प्राधिकरण दफ्तर के सामने चल रहे अनिश्चितकालीन धरने के दूसरे दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। महिलाओं की भी भागीदारी रही। किसान नेताओं ने ऐलान कहा कि जब तक कोई ठोस निर्णय नहीं होता, धरना जारी रहेगा। सभा की अध्यक्षता श्रीकृष्ण बैसला ने की और संचालन संदीप भाटी ने किया। किसानों ने जमीन अधिग्रहण के एवज में 10 फीसदी विकसित भूखंड, लंबित 6 फीसदी भूखंड, आबादियों के निस्तारण और लीज बैक के मामलों के तत्काल समाधान की मांग की है।

किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ. रूपेश वर्मा ने कहा कि जमीन अधिग्रहण से प्रभावित क्षेत्र के किसान लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन हर बार आश्वासन देकर टाल दिया जाता है। जनप्रतिनिधि भी किसानों की आवाज सरकार तक पहुंचाने में विफल रहे हैं।

वहीं किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण से 10 फीसदी विकसित भूखंड का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है, लेकिन शासन स्तर पर कोई निर्णय नहीं हो रहा है। सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं दिख रही है। किसान एकता संघ के अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा कि जिले में पिछले 12 वर्षों से सर्किल रेट नहीं बढ़ा है, इसलिए किसानों को जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। मुआवजा 20 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर से कम है, जबकि बाजार भाव कहीं अधिक है।

फरीदाबाद : पुलिस कर्मियों की तत्परता से हार्ट अटैक पीड़ित चौकीदार की बची जान

फरीदाबाद। लघु सचिवालय बल्लभगढ़ में ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आने से अचानक अचेत हुए चौकीदार की पुलिसकर्मियों की तत्परता और सूझबूझ से जान बच गई। पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए मौके पर ही सीपीआर देकर प्राथमिक सहायता प्रदान की और बाद में एंबुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पांच सितंबर 2026 को सुबह लघु सचिवालय बल्लभगढ़ में एसडीएम कार्यालय में तैनात चौकीदार भीम सिंह को अचानक हार्ट अटैक आ गया। उस समय वहां ड्यूटी पर तैनात ईएचसी रविंद्र और सीटी योगेंद्र ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत उनकी सहायता शुरू की।

दोनों पुलिसकर्मियों ने मौके पर ही सीपीआर देकर उन्हें प्राथमिक उपचार दिया तथा तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर अस्पताल पहुंचाया। समय पर मिली सहायता और चिकित्सा उपचार से चौकीदार की जान बच सकी। पुलिसकर्मियों द्वारा दिखाई गई तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की डीसीपी बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल ने सराहना की। उन्होंने रविंद्र और योगेंद्र को उनके सराहनीय कार्य के लिए उन्हें प्रशंसा पत्र एवं नकद रिवॉर्ड

प्रदान कर प्रोत्साहित किया। डीसीपी बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल ने कहा कि पुलिस का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि जरूरत के समय आमजन की सहायता करना भी है। दोनों पुलिसकर्मियों ने अपनी जिम्मेदारी से आगे बढक़र मानवीय संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है। फरीदाबाद पुलिस सेवा, सुरक्षा एवं सहायता के लिए सदैव तत्पर है।

यमुना सिटी में स्पेशल इकोनॉमी जोन बनाने की तैयारी

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के सेक्टर-28 में नोएडा के एनएसईजेड की तर्ज पर स्पेशल इकोनॉमी जोन (विशेष आर्थिक क्षेत्र) बनाने की तैयारी है। इसे सेमीकंडक्टर यूनिट परिसर में करीब 24 एकड़ में बनाने पर विचार किया जा रहा है, इसके लिए एचसीएल ने यमुना प्राधिकरण को प्रस्ताव भेजा है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के एक अधिकारी ने बताया कि यमुना सिटी के सेक्टर-28 में सेमीकंडक्टर यूनिट के लिए एचसीएल एवं ताइवान की फॉक्सकोन कंपनी के ज्वाइंट वेंचर इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड को 48 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है। 21 फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरभारत की पहली व देश की छठीं सेमीकंडक्टर इकाई के तौर पर इसकी आधारशिला रखी थी। कंपनी क्षेत्र में करीब 3706.15 करोड़ निवेश कर यहां स्मॉल पैनल ड्राइवर आईसी, डिस्प्ले इंटीग्रेटेड सर्किट का निर्माण करेगी।

यूनिट डीडीआईसी व औसेट सुविधा से लैस होगी, जो एक प्रकार की खास सेमीकंडक्टर चिप होती है, जो मोबाइल, टीवी, कंप्यूटर की स्क्रीन को चलाने का काम करती है। कंपनी की ओर से यहां विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने का भी प्रस्ताव दिया गया है, इस संबंध में जल्द बैठक कर निर्णय लिया जाना

है। माना जा रहा है कि विशेष आर्थिक क्षेत्र बनने से सेमीकंडक्टर इको-सिस्टम को बड़ी मजबूती मिलेगी। यहां बनने वाली चिप के साथ ही अन्य उपकरण बनाने वाली कंपनियां एक ही परिसर में आ सकेंगी। इससे सप्लाई चेन आसान होगी और लॉजिस्टिक लागत घटेगी। साथ ही टैक्स छूट, ड्यूटी फ्री आयात-निर्यात और सिंगल विंडो क्लीयरेंस की सुविधा मिलने से निवेश आकर्षित होगा। जिसे शहर की पहचान अलग बनेगी।

सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास हुए करीब 6 माह से ज्यादा समय हो गया है, लेकिन अभी तक मौके पर कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। हालांकि अधिकारी इसके पीछे औपचारिक कागजी प्रक्रिया का हवाला दे रहे हैं, साथ ही मौके पर मिट्टी की जांच इत्यादि कार्य होने बताए गए हैं। दावा है कि जल्द ही इकाई का निर्माण शुरू हो जाएगा, इसे तीन वर्ष में पूरा करना होगा। इसकी तैयारी जोरों पर है।

ग्रेटर नोएडा में अवैध पटाखों का जखीरा बरामद, चार लाख के पटाखों के साथ दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। त्योहारों से पहले गौतमबुद्ध नगर में अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। इसी क्रम में दादरी थाने की पुलिस ने अवैध पटाखों की बड़ी खेप के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग कंपनियों के करीब 20 कार्टून पटाखे बरामद किए हैं। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा पटाखों के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही महिंद्रा बोलेरो पिकअप भी पुलिस ने कब्जे में ली है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 9 सितंबर को लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग के माध्यम से मिली जानकारी के आधार पर की गई। सूचना के बाद दादरी थाना पुलिस की टीम ने एनटीपीसी कट के पास चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध गतिविधि के आधार पर दो लोगों को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से भारी मात्रा में पटाखे बरामद हुए। पुलिस ने मौके से 20 कार्टून पटाखे बरामद किए, जिनकी कीमत करीब चार लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान शिवकुमार और रामकुमार के रूप में की है। शिवकुमार पुत्र रमेशचंद मूलरूप से

ग्राम चमनपुरा, थाना सिकंदराराऊ, जिला हाथरस का रहने वाला है। उसकी उम्र करीब 30 वर्ष है और वर्तमान में वह ग्राम अच्छेजा, थाना बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर में रह रहा था। वहीं, दूसरा आरोपी रामकुमार पुत्र मानसिंह है। वह मूलरूप से टॉटपुर कर्सरी, थाना सहसवान, जिला बदायूं का निवासी है और उसकी उम्र करीब 19 वर्ष है। रामकुमार भी वर्तमान में ग्राम अच्छेजा, थाना बादलपुर में रह रहा था। पुलिस के मुताबिक, बरामद पटाखों को ले जाने के लिए महिंद्रा बोलेरो पिकअप का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस ने वाहन को भी बरामद कर लिया है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे कहां से लाए गए थे और इन्हें कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपियों का अवैध पटाखों की बिक्री या भंडारण से जुड़े किसी अन्य नेटवर्क से संबंध तो नहीं है। दादरी पुलिस ने मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उनके खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब मामले की आगे की जांच कर रही है।

नोएडा में सोना-चांदी में निवेश का झांसा देकर बुजुर्ग से 27.50 लाख रुपये की ठगी

नोएडा,एजेंसी। सोना-चांदी में निवेश के बदले मोटे मुनाफे का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने एक बुजुर्ग से 27 लाख 50 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर साइबर अपराध थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त (साइबर क्राइम) शैव्या गोयल ने बृहस्पतिवार को बताया कि सेक्टर-121 स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी निवासी केवल कृष्ण सहगल (65) ने बुधवार रात इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, अगस्त महीने में सहगल की निधि शर्मा नामक महिला से ऑनलाइन बातचीत शुरू हुई थी जिसने उन्हें बताया कि वह एक ऐप के माध्यम से सोना और चांदी के वैश्विक बाजार में निवेश का काम करती है। आरोप है कि महिला ने अपनी बातों से सहगल का विश्वास जीता और उन्हें ऐप पर खाता खोलकर निवेश करने के लिए कहा। महिला ने सहगल से कहा कि वह दोनों मिलकर निवेश करेंगे और इससे होने वाले मुनाफे को आधा-आधा बांट लेंगे।

फसलों को बिक्री करने के बारे में किसानों को जानकारी देंगे

सोहना। मार्केट कमेटी कार्यालय में शुक्रवार को किसान जागरुकता कार्यक्रम होगा। इसमें किसानों को फसल को बिक्री के लिए मंडी में लेकर आने से लेकर बिक्री करने तक की जानकारी दी जाएगी। किसान को अपनी फसल को बिक्री करने में लिए क्या-क्या सावधानियां बरतनी चाहिए। किसान द्वारा फसल बिक्री से पहले उसका पंजीकरण कैसे करना चाहिए। पंजीकरण के लिए किसान को क्या-क्या कागजात देने होते है। किसान को फसल बिक्री से कितन दिन पहले पंजीकरण करना चाहिए। किसान जिस भी वाहन में अपनी फसल को बिक्री के लिए अनाज मंडी तक लेकर जाएगा। उसका भी पंकीकरण अनिवार्य होना चाहिए। यह सब जानकारी किसानों का स्थानीय मार्केट कमेटी कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित होने वाले किसान जागरुकता कार्यक्रम में दी जाएगी। ताकि किसान की अपनी फसल को बिक्री करने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी में न रहे। किसान की फसल बेचने में कोई दिक्कत न आए। किसान द्वारा बेची जाने वाली फसल का सरकार द्वारा खरीदने पर भुगतान होने में कोई रुकावट न आए। मार्केट कमेटी विभाग ने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक किसानों के आने के लिए जोर-शोर से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। अनाज मंडी परिसर में पोस्टर व होल्डिंग लगाएं गए है। ताकि अनाज मंडी में अपने जरुरी काम के लिए आने वाले किसानों को सूचना मिल सके। इसके अलावा मार्केट कमेटी अधिकार क्षेत्र में आन वाले गांवों में मुनादी कराई गई है। शहरी क्षेत्र के वार्ड पार्षदों के माध्यम से किसानों तक कार्यक्रम में आने के लिए जानकारी दी जा रही हैं। मार्केट कमेटी के सचिव दिनेश श्योकंद ने बताया कि कार्यक्रम में सोहना-तावडू के विधायक तेजपाल तंवर मुख्य अतिथि रहेंगे। मार्केट कमेटी अध्यक्ष दयाराम लोहिया व उपाध्यक्ष अशोक बंसल समेत अन्य लोग भी मौजूद रहेंगे। जिनके माध्यम से किसनों को संबोधिक करके जागरुक किया जाएगा। सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

फरीदाबाद : संतुलन बिगड़कर ग्रिल से टकराई बाइक, दो युवकों की हुई मौत

फरीदाबाद। फरीदाबाद में सराय टोल प्लाजा के पास संतुलन बिगडने् से बाइक ग्रिल से टकरा गई। बाइक सवार दोनों युवक फरीदाबाद से दिल्ली की तरफ जा रहे थे और अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। हादसा इतनी तेजी से हुआ कि युवकों को संभलने का मौका नहीं मिला और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया।

मृतकों की पहचान 24 वर्षीय सोनू और 22 वर्षीय सुन्नी के रूप में हुई है। मृतक कृष्णा कॉलोनी के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार सोनू बाइक चला रहा था, जबकि सुन्नी उसके पीछे बैठा हुआ था। दोनों गुरुवार सुबह पौने चार बजे घर से दिल्ली जाने के लिए निकले थे। बताया जा रहा है कि हादसे के समय हाईवे लगभग खाली था। इसी दौरान दोनों युवक बाइक से तेज गति में जा रहे थे। सराय टोल के पास पहुंचने पर अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक हाईवे के बीचोंबीच लगी ग्रिल से जा टकराई। टक्कर के बाद दोनों युवक बाइक समेत सडक़ पर जा गिरे। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना हुआ था, जिसके कारण गिरने के दौरान उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद दोनों युवक सडक़ पर गंभीर हालत में पड़े रहे। आसपास से गुजर रहे लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में बाइक तेज रफ्तार से आती हुई दिखाई दे रही है। इसके बाद बाइक अचानक अनियंत्रित होकर हाईवे के बीच में लगी ग्रिल से टकराती दिखाई देती है। सीसीटीवी में किसी कार द्वारा बाइक को टक्कर मारने की बात सामने नहीं आई है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने दोनों मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दएण दी और पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई जा रही है।

गुरुग्राम में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या

गुरुग्राम,एजेंसी। शहर में पल्सर पर सवार तीन बदमाशों ने बीच सड़क युवक को रोककर पेट में सटाकर गोलियां मार दीं। इससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात से बाजार में अफरा-तफरी मच गई और दुकानदारों में अफरा तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार बसई गांव निवासी महेंद्र अपने बेटे साहिल के साथ बाइक पर किसी काम से जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पीछे से पल्सर पर आए तीन नकाबपोश युवकों ने उसका पीछा कर बीच रास्ते उसकी बाइक के आगे अपनी बाइक लगाकर रास्ता रोक लिया। एक बदमाश ने बाइक से उतरते ही पिस्टल निकाली और महेंद्र के पेट से सटाकर ताबड़तोड़ फायर कर दिए। खून से लथपथ महेंद्र सड़क पर गिर पड़ा और आरोपी हथियार लहराते हुए फरार हो गए।

राहगीरों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और महेंद्र को सेक्टर-10 सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अत्यधिक खून बहने के कारण मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक के परिजनों ने बताया कि जनवरी में महेंद्र का कुछ स्थानीय युवकों से झगड़ा हुआ था। शक है कि उसी रंजिश में सुनियोजित तरीके से हत्या की गई है। पुलिस ने शव को

पोस्टमार्टम के लिए भेजकर केस दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बदमाश बेटे को मारने आए थे, लेकिन उसके पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक का एक बेटा हत्या के आरोप में जेल में बंद है। एसीपी कपिल ने कहा कि गोली चलने की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। महेंद्र नाम के व्यक्ति को गोली लगी है। तीन लोग बाइक पर आए थे, कुछ लोगों की पहचान हुई है। जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में सनातन और विकास की गूंज

मृत्युंजय दीक्षित

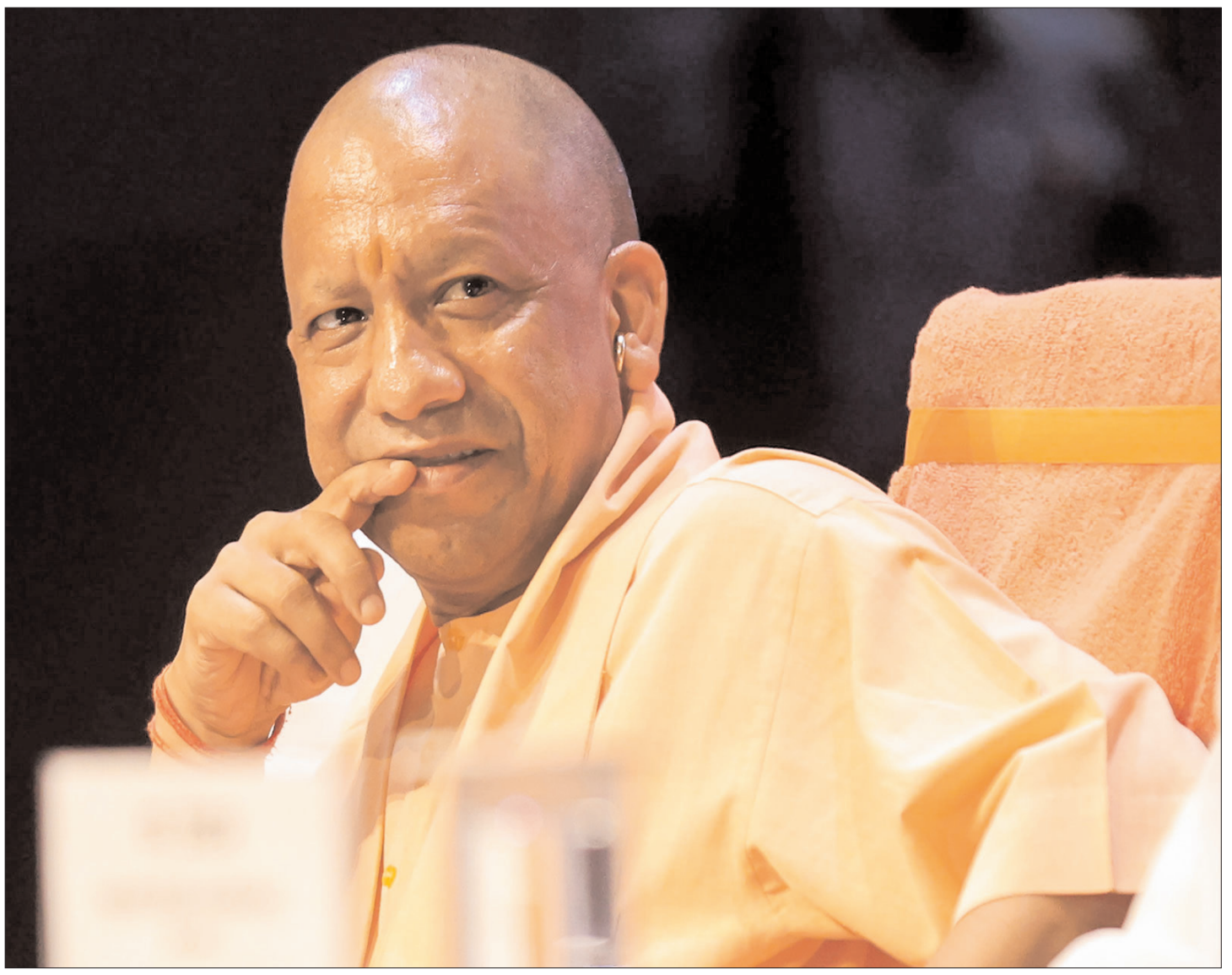

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही सभी राजनैतिक दलों ने अपना गुणा-भाग करके उसके आधार पर पिच बनानी आरम्भ कर दी है। अभी तक जो राजनैतिक अनुमान सामने आए हैं उसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन की बढ़त स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रही है। उधर सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस के मध्य सीटों के तालमेल पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हो सका है जिसके कारण इंडी गठबंधन के कार्यकर्ताओं में भ्रम व असमंजस की स्थिति बनी हुई है। चुनावी तैयारी करते हुए सपा ने कार्यकर्ताओं की ड्रेस का रंग भी बदल डाला है। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने अपना कार्यभर संभाल लिया है और अपने इरादे भी स्पष्ट कर दिए हैं। भाजपा ने 2027 के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें हर बूथ को मजबूत करना होगा। कोई बूथ छूटना नहीं चाहिए। सभी जातियों को साधने का मंत्र दिया गया है। संख्या चाहे कम हो या ज्यादा लेकिन कोई जाति अछूती न रहे। हमें सबको जोड़ना होगा। भाजपा ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश का चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व उनके चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पाती के माध्यम से, मंच से तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी जनता के साथ संवाद बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी का जनता दरबार तो नियमित है ही। वह अयोध्या, मथुरा, काशी की भूमि से सनातन का संदेश भी दे रहे हैं। योगी स्वयं बाढ़ प्रभारवित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और पीड़ितों से मिल रहे हैं। योगी ने सार्वजनिक संवाद के मंचीय भाषण और योजनाओं के शुभारंभ से आगे बढ़कर युवाओं, छात्रों ,लाभार्थियों से संवाद का विस्तार किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा का दो दिवसीय दौरा कर स्पष्ट संकेत दे दिया है कि अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर अग्रसर है और अब श्रीकृष्ण की जन्मभूमि की मुक्ति का समय आ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के माध्यम से अवध से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक समस्त क्षेत्र को सनातन के रंग में रंग दिया और अपने मतदाता को बता दिया कि अब अगला चरण श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का ही है। मथुरा में मुख्यमंत्री योगी ने दो दिन बिताए। परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते हुए सपा सरकार के काले कारनामों को उजागर किया और समा बांध दिया। अपने भाषण में योगी ने कहा कि प्रदेश में 2017 के पूर्व उत्सव नहीं उपद्रव होता था। पूर्व की सरकार दंगाइयों को सम्मान देती थी।अब दंगामुक्त प्रदेश में भारी संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सनातन की आभा निरंतर बढ़ रही है।आज काशी विश्वनाथ धाम भव्यता और आधुनिक सुविधाओं के लिए जाना जा रहा है। अयोध्या में बाबर ने 128 में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर को तोड़कर गुलामी का ढांचा बनवा दिया लेकिन इससे रामनवमी, पंचकोसी, 14 कोसी और 84 कोसी परिक्रमा सावन का झूला मेला नहीं रुका। सनातन की आभा निंरतर बढ़ती रही और संघर्षों का जज्बा पैदा करती रही। इसी का परिणाम है कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का दिव्य व भव्य मंदिर बन गया है। मुख्यमंत्री मथुरा में दो दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाने के बाद लखनऊ में रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुए और फिर उन्होंने गोरखपुर में भी जन्माष्टमी समारोह मे भाग लेकर हिंदू समाज को स्पष्ट संकेत दिया कि भाजपा की योजना इस बार मंडल व कमंडल दोनों को अपने में समाहित कर लेने की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जहां सनातन की आभा बढ़ रही है वहीँ विकास की गूंज भी लगातार सुनाई दे रही है। भाजपा सरकार अपनी योजनाओं के माध्यम से उन सभी वर्गो को खुश करने का प्रयास कर रही है जो उसके वोट प्रतिशत को बढ़ाने में सहायक है। प्रदेश के शिक्षकों के लिए सुविधाओं की घोषणा, 60 वर्ष की ऊपर की महिलाओं को नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा तथा समाजिक पेंशन में वृद्धि के बाद अब आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा सेविकाओं का मानदेय भी बढ़ाने की घोषणा कर दी गई है। आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय 8 हजार से बढाकर 12 हजार कर दिया गया हैजबकि सहायिका का मानदेय 6 हजार की जगह 8 हजार कर दिया गया है। इसके अलावा 5 लाख तक का कैशलेस इलाज, स्मार्टफोन तथा साड़ियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। अयोध्या में हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज से 9 वर्ष पूर्व आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर हालात में थे और बच्चे खुद टाट पट्टी लेकर पढ़ने के लिए आते थे, आंगनबाड़ी केंद्र अस्त व्यस्त रहते थे, समय से पोषाहार नहीं मिलता था । इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सेविकाओं को सम्मानित भी किया। योगी ने यहां पर भी सनातन को जोड़ लिया और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सेविकाओं की तुलना माता यशोदा से करी। उन्होंने कहाकि सपा व कांग्रेस इस बात से हैरान है कि रैन बसेरा निषादराज के नाम से कैसे बन गया ? यहां के भोजनालय शबरी माता के नाम से कैसे बन गए? अयोध्याधाम में रामलला विराजमान होने को लेकर पूरी दुनिया में उत्साह है किंतु सपा और कांग्रेसी खेमे में वीरानी छाई हुई है।

वे भौंचक हैं कि अयोध्या धाम में रामलला का मंदिर कैसे बन गया। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि अयोध्या में रेलवे स्टेशन का विकास कैसे हो गया तथा सड़केन कैसे चौड़ी हो गयीं। महर्षि वाल्मीकि के नाम पर इतना बड़ा इंटरनेशनल एसरपोर्ट कैसे बन गया? आगामी विधनसभा चुनावों के लिए भाजपा ने कमर कस ली है और वह हर वर्ग व जाति को साधते हुए सधे हुए कदमों से आगे बढ़ रही है इसके इतर समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन सीटों के तालमेल पर ही अटका है।

ई-सिगरेट ऐसे उपकरण हैं जिनमें किसी पदार्थ को गर्म करके एरोसोल बनाया जाता है। निकोटिन पाउच में न तो कुछ जलाया जाता है और न ही एरोसोल बनाया जाता है। इसे केवल इसलिए ई-सिगरेट मान लेना कि दोनों में निकोटिन होता है, कानूनी रूप से कमजोर तर्क हो सकता है। इसलिए सरकार को इस बारे में स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाने की जरूरत है। खाद्य सुरक्षा कानून के तहत खाद्य पदार्थों में तंबाकू और निकोटिन के इस्तेमाल पर रोक है। लेकिन हर ऐसी चीज जिसे मुंह में रखा जाता है, जरूरी नहीं कि वह कानूनी रूप से खाद्य पदार्थ भी हो। निकोटिन पाउच का इस्तेमाल मुंह में किया जाता है, लेकिन इससे वह अपने आप खाद्य पदार्थ नहीं बन जाता। इसलिए केवल खाद्य सुरक्षा कानून के सहारे इनके पूरे बाजार को नियंत्रित करना भी आसान नहीं होगा। अलग-अलग कानूनों के बीच स्पष्टता और आपसी तालमेल जरूरी है। निकोटिन का इस्तेमाल कुछ चिकित्सकीय उत्पादों में भी होता है। उदाहरण के लिए निकोटिन गम और पैच जैसे उत्पाद धूम्रपान छोड़ने में मदद के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं और इन पर औषधि संबंधी नियम लागू होते हैं। इसलिए सरकार को निकोटिन पाउच की प्रकृति और उनके दावों के आधार पर यह स्पष्ट करना चाहिए कि कोई उत्पाद चिकित्सकीय उपयोग का है या केवल मनोरंजक इस्तेमाल के लिए बाजार में लाया गया है। हर निकोटिन उत्पाद को दवा मान लेना सही नहीं होगा और हर उत्पाद को दवा के दायरे से बाहर रखना भी उचित नहीं होगा।

भारत की तंबाकू नियंत्रण नीति में है बड़ी खामी

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में तंबाकू नियंत्रण के सामने अब एक नई चुनौती खड़ी हो रही है। बाजार में ऐसे निकोटिन पाउच तेजी से दिखाई देने लगे हैं, जिनमें तंबाकू की पत्ती नहीं होती, लेकिन निकोटिन मौजूद रहता है। छोटे और आसानी से इस्तेमाल किए जा सकने वाले ये पाउच अलग-अलग स्वादों में उपलब्ध हैं। इन्हें दुकानों के साथ-साथ ऑनलाइन भी बेचा जा रहा है। एक अध्ययन में ऐसे निकोटिन पाउच देश के 10 में से 7 शहरों में पाए गए। इनमें निकोटिन की मात्रा भी काफी अधिक थी। इससे साफ है कि यह केवल भविष्य की समस्या नहीं है, बल्कि भारत के बाजार में इसकी मौजूदगी बढ़ रही है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि तंबाकू न होने के कारण मौजूदा कानूनों में इन उत्पादों की सही जगह स्पष्ट नहीं है। भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए मुख्य कानून सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम यानी सीओटीपीए, 2003 है। यह कानून मुख्य रूप से उन उत्पादों पर लागू होता है जिनमें तंबाकू मौजूद है। इसलिए तंबाकू-मुक्त निकोटिन पाउच को सीधे सीओटीपीए के तहत रखना आसान नहीं है। यही कानूनी खामी कंपनियों और विक्रेताओं के लिए रास्ता खोल सकती है। सीओटीपीए के तहत तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन, नाबालिगों को बिक्री, पैकेजिंग और स्वास्थ्य चेतावनी जैसे कई नियम हैं। लेकिन यदि किसी उत्पाद में तंबाकू की जगह केवल निकोटिन है तो सवाल उठता है कि उस पर यही नियम किस आधार पर लागू किए जाएं। कानून को केवल उसकी भावना के आधार पर नहीं चलाया जा सकता। प्रशासन यह मानकर किसी नए उत्पाद को पुराने कानून में नहीं ला सकता कि उसका स्वास्थ्य पर प्रभाव समान है। इसके लिए स्पष्ट कानूनी आधार जरूरी है।

कुछ लोग निकोटिन पाउच को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत नियंत्रित करने की बात कर सकते हैं। लेकिन यह रास्ता भी आसान नहीं है। ई-सिगरेट ऐसे उपकरण हैं जिनमें किसी पदार्थ को गर्म करके एरोसोल बनाया जाता है। निकोटिन पाउच में न तो कुछ जलाया जाता है और न ही एरोसोल बनाया जाता है। इसे केवल इसलिए ई-सिगरेट मान लेना कि दोनों में निकोटिन होता है, कानूनी रूप से कमजोर तर्क हो सकता है। इसलिए सरकार को इस बारे में स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाने की जरूरत है। खाद्य सुरक्षा कानून के तहत खाद्य पदार्थों में तंबाकू और निकोटिन के इस्तेमाल पर रोक है। लेकिन हर ऐसी चीज जिसे मुंह में रखा जाता है, जरूरी नहीं कि वह कानूनी रूप से खाद्य पदार्थ भी हो। निकोटिन पाउच का इस्तेमाल मुंह में किया जाता है, लेकिन इससे वह अपने आप खाद्य पदार्थ नहीं बन जाता। इसलिए केवल खाद्य सुरक्षा कानून के सहारे इनके पूरे बाजार को नियंत्रित करना भी आसान नहीं होगा। अलग-अलग कानूनों के बीच स्पष्टता और आपसी तालमेल जरूरी है। निकोटिन का इस्तेमाल कुछ चिकित्सकीय उत्पादों में भी होता है। उदाहरण के लिए निकोटिन गम और पैच जैसे उत्पाद धूम्रपान छोड़ने में मदद के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं और इन पर औषधि संबंधी नियम लागू होते हैं। इसलिए सरकार को निकोटिन पाउच की प्रकृति और उनके दावों के आधार पर यह स्पष्ट करना चाहिए कि कोई उत्पाद चिकित्सकीय उपयोग का है या केवल मनोरंजक इस्तेमाल के लिए बाजार में लाया गया है। हर निकोटिन उत्पाद को दवा मान लेना सही नहीं होगा और हर उत्पाद को दवा के दायरे से बाहर रखना भी उचित नहीं होगा। हाल में निकोटिन पाउच की बिक्री को लेकर मुंबई हवाई अड्डे की ड्यूटी-फ्री दुकानों का मामला भी सामने आया। इससे पता चलता है कि इन उत्पादों की कानूनी स्थिति को लेकर सरकार और कारोबारियों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। ऐसे मामलों में केवल कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि किस कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है और उसकी कानूनी सीमा क्या है। सरकार को इस मामले में जल्दबाजी में ऐसा आदेश नहीं निकालना चाहिए जो बाद में अदालत में टिक न पाए। सबसे पहले यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि किन परिस्थितियों में निकोटिन युक्त मौखिक उत्पादों को दवा माना जाएगा और किन परिस्थितियों में नहीं। इसके लिए वैज्ञानिक प्रमाण और मौजूदा कानून दोनों को आधार बनाया जाना चाहिए। साथ ही निकोटिन पाउच के आयात पर भी सख्ती की जरूरत है। सीमा शुल्क, विदेश व्यापार महानिदेशालय और औषधि नियामकों के बीच बेहतर तालमेल होना चाहिए, ताकि बिना उचित अनुमति के आने वाली खेपों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। स्वास्थ्य मंत्रालय, औषधि नियामक, खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण, सीमा शुल्क और राज्य स्तर के संबंधित विभागों के बीच भी एक साझा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। अभी अलग-अलग विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर अस्पष्टता दिखाई देती है। इसका फायदा कारोबारी उठा सकते हैं। यदि किसी उत्पाद की कानूनी स्थिति ही स्पष्ट नहीं होगी तो उसका प्रभावी नियमन कैसे होगा, यह सवाल स्वाभाविक है। ऑनलाइन बिक्री पर भी विशेष ध्यान देना होगा। आज कोई भी नया उत्पाद केवल बाजार की दुकानों तक सीमित नहीं रहता। ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स के माध्यम से वह कुछ ही घंटों में उपभोक्ता तक पहुंच सकता है। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचने से पहले उत्पाद की कानूनी स्थिति, विक्रेता की जानकारी और आयु सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं जरूरी होनी चाहिए। बिना अनुमति या स्पष्ट कानूनी स्थिति वाले उत्पादों को ऑनलाइन बिक्री से हटाने की व्यवस्था भी प्रभावी होनी चाहिए।

युवाओं को इन उत्पादों से बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए स्पष्ट स्वास्थ्य चेतावनी, न्यूनतम आयु सीमा, बच्चों से सुरक्षित पैकेजिंग और युवाओं को आकर्षित करने वाले स्वाद तथा विज्ञापन पर नियंत्रण जैसे उपाय जरूरी हैं। लेकिन इन सभी उपायों का आधार मौजूदा कानून होना चाहिए। सरकार केवल कार्यकारी आदेश के माध्यम से ऐसा नया कानून नहीं बना सकती जो संसद के अधिकार क्षेत्र में आता हो। सरकार के तत्काल कदम जरूरी हैं, लेकिन वे स्थायी समाधान नहीं हैं। स्थायी समाधान संसद को करना होगा। सीओटीपीए में संशोधन किया जा सकता है या निकोटिन उत्पादों के लिए एक नया व्यापक कानून बनाया जा सकता है। ऐसे कानून में अलग-अलग निकोटिन उत्पादों के लिए अलग श्रेणियां बनाई जा सकती हैं, जैसे ज्वलनशील तंबाकू, धुआंरहित तंबाकू, ई-सिगरेट, मौखिक निकोटिन पाउच और चिकित्सकीय निकोटिन उत्पाद। इससे कानून केवल इस बात पर निर्भर नहीं रहेगा कि किसी उत्पाद में तंबाकू की पत्ती है या नहीं, बल्कि यह भी देखा जाएगा कि वह शरीर में निकोटिन किस तरह पहुंचाता है और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा है। यह भी जरूरी है कि सभी निकोटिन उत्पादों को एक ही नजर से न देखा जाए। चिकित्सकीय निकोटिन गम और मनोरंजन के लिए इस्तेमाल होने वाले निकोटिन पाउच को समान श्रेणी में रखना उचित नहीं होगा। कानून को उत्पाद के जोखिम और उसके उपयोग के आधार पर अलग-अलग नियम बनाने चाहिए। साथ ही व्यावसायिक कंपनियों को यह छूट भी नहीं मिलनी चाहिए कि वे केवल तंबाकू की पत्ती हटाकर किसी नए उत्पाद को मौजूदा तंबाकू कानूनों से बाहर कर दें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तंबाकू-मुक्त का अर्थ जोखिम-मुक्त नहीं है। निकोटिन नशे की लत पैदा करता है। खासकर युवाओं और पहली बार निकोटिन लेने वाले लोगों के लिए इसके प्रभाव को हल्के में नहीं लिया जा सकता। आकर्षक स्वाद, पैकेजिंग और ऑनलाइन प्रचार युवाओं को इन उत्पादों की ओर आकर्षित कर सकते हैं। इसलिए जनस्वास्थ्य की चिंता को कानून की स्पष्टता के साथ जोड़ना जरूरी है। भारत को न तो इस मामले में अनावश्यक घबराहट की जरूरत है और न ही आंखें बंद करके बैठने की। तत्काल जरूरत है कि सरकार मौजूदा कानूनों के तहत आयात, लाइसेंसिंग, वर्गीकरण और ऑनलाइन बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करे। साथ ही संसद को ऐसी कानूनी व्यवस्था बनानी चाहिए जो भविष्य में आने वाले नए निकोटिन उत्पादों पर भी लागू हो सके। कानून में खामी का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि बाजार को खुला छोड़ दिया जाए। लेकिन यह भी सच है कि सरकारी अधिसूचना संसद द्वारा बनाए जाने वाले कानून का विकल्प नहीं हो सकती।

विचार

आत्मशुद्धि, संयम और अहिंसा से जीवन को बदलने का अवसर पर्युषण महापर्व

कांतिलाल मांडोत

जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। यह केवल पूजा, उपवास और धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि स्वयं को भीतर से देखने, अपनी कमियों को पहचानने और जीवन को अधिक संयमित एवं पवित्र बनाने का अवसर है। सामान्य दिनों में मनुष्य व्यापार, परिवार, समाज और संसार की अनेक आवश्यकताओं में उलझा रहता है। उसे अपने भीतर झांकने का समय बहुत कम मिल पाता है। पर्युषण इसी व्यस्तता के बीच आत्मा की ओर लौटने का संदेश देता है। इन दिनों साधना का केंद्र बाहरी संसार नहीं, बल्कि स्वयं का मन और आत्मा बनते हैं। यही व्यापक आध्यात्मिक उद्देश्य इसे जैन समाज का महापर्व बनाता है। प्राचीन समय में श्रावकों के घरों के निकट अथवा नगर के शांत स्थानों पर पौषधशालाएं होती थीं। पर्व के दिनों में श्रावक वहां जाकर पौषध व्रत धारण करते, उपवास करते और धर्मध्यान में समय बिताते थे। आज शहरी जीवन में घरों में बैठक और मनोरंजन के लिए स्थान तो आसानी से बनाया जाता है, लेकिन सामायिक, ध्यान और आत्मचिंतन के लिए एकांत निकालना कठिन हो गया है। ऐसे समय में पर्युषण का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। पौषध को आत्मा का विश्राम-स्थल माना गया है, जहां मनुष्य कुछ समय के लिए संसार की चिंताओं से दूर होकर अपने वास्तविक स्वरूप का निरीक्षण करता है। पौषध और प्रतिक्रमण को आत्मा के लिए परम औषध के समान माना गया है। शरीर में रोग हो तो औषधि उसकी चिकित्सा करती है, उसी प्रकार मन में क्रोध, अहंकार, मोह, राग और द्वेष जैसे विकार हों तो आत्मसाधना उन्हें कम करने का मार्ग दिखाती है। पर्युषण के दौरान व्यक्ति अपने व्यवहार की समीक्षा करता है और यह समझने का प्रयास करता है कि उसके जीवन में किन प्रवृत्तियों के कारण अशांति बढ़ रही है। इस प्रकार यह पर्व आत्मा की शुद्धि और जीवन के परिष्कार की प्रक्रिया बन जाता है।

पर्युषण में संयम का विशेष महत्व है। ब्रह्मचर्य को महान तप माना गया है और पर्व के दिनों में इसका पालन आत्मसंयम की साधना के रूप में किया जाता है। इसका उद्देश्य केवल किसी एक व्यवहार पर नियंत्रण नहीं, बल्कि मन को विषयों की ओर निरंतर भागने से रोककर भीतर की ओर मोड़ना है। इसी तरह आरंभ-त्याग का भाव भी पर्युषण की साधना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पर्व के दिनों में ऐसे कार्यों को कम करने की प्रेरणा दी जाती है जिनमें अनावश्यक जीवहिंसा होती हो। साथ ही असत्य, कटु वचन, क्रोध और अन्य कषायों से बचने का प्रयास किया जाता है। तप भी पर्युषण की आराधना का प्रमुख अंग है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता और स्वास्थ्य के अनुसार एकासना, आयंबिल, उपवास अथवा अन्य तप कर सकता है। किसी दूसरे की तपस्या देखकर प्रतिस्पर्धा करना इस साधना का उद्देश्य नहीं है। वास्तविक तप वही है जिसमें व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार श्रद्धा और आत्मप्रेरणा से आगे बढ़े। पर्युषण यह सिखाता है कि धर्म प्रदर्शन का विषय नहीं, बल्कि आत्मपरिवर्तन की साधना है। इस महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता अहिंसा की व्यापक भावना है। जैन दर्शन में अहिंसा केवल किसी जीव की प्रत्यक्ष हत्या से बचने तक सीमित नहीं है। मन, वचन और व्यवहार में भी ऐसी प्रवृत्तियों से बचना आवश्यक है जिनसे दूसरे को पीड़ा पहुंचे। अपने जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं और साधनों के प्रति भी विवेक जागृत करना अहिंसा की भावना को मजबूत करता है। पर्युषण व्यक्ति को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि कहीं उसकी सुविधा किसी अन्य जीव के कष्ट का कारण तो नहीं बन रही। अहिंसा के साथ करुणा और अनुकम्पा भी पर्युषण का महत्वपूर्ण संदेश है। दूसरे के दु:ख को देखकर हृदय में संवेदना जागना मनुष्य की वास्तविक मानवीयता है। यदि किसी जीव के कष्ट से हमारा मन विचलित नहीं होता तो आत्मसाधना अधूरी है। इसलिए पर्युषण के दिनों में जीवदया और अभयदान की भावना को विशेष महत्व दिया जाता है। जैन परंपरा में आचार्य हीरविजयसूरि और बादशाह अकबर से जुड़ा प्रसंग भी अहिंसा की इसी प्रभावशाली भावना को सामने रखता है। आचार्यश्री ने व्यक्तिगत उपहार या सम्मान लेने के बजाय जीवों को अभय देने और हिंसा रोकने की प्रेरणा को अधिक महत्वपूर्ण माना था। यह प्रसंग बताता है कि धर्म का प्रभाव तभी व्यापक होता है जब वह जीवमात्र के प्रति करुणा का रूप ले ले। पर्युषण का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष साधर्मिक वात्सल्य है। जिनका देव, गुरु और धर्म एक है, वे साधर्मिक बंधु माने जाते हैं। उनके बीच धन, पद, कुल अथवा सामाजिक स्थिति का भेद नहीं होना चाहिए। जरूरतमंद साधर्मिक की सहायता करना, उसके प्रति सम्मान रखना और उसके सुख-दु:ख में सहभागी बनना धर्म की महत्वपूर्ण भावना है।

हर माह 10 तारीख को लाभार्थियों के खातों में पहुंचेगी सामाजिक सुरक्षा पेंशन : मुख्यमंत्री

अगस्त की पेंशन के रूप में 105.68 लाख लाभार्थियों को 1,233.87 करोड़ रुपये डीबीटी से हस्तांतरित

सद्भावना टुडे,संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को मुंगेर के हवेली खड़गपुर स्थित गंगटा मोड़ पर आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत अगस्त 2026 की पेंशन राशि का डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरण किया। इस दौरान राज्य के 105.68 लाख लाभार्थियों के खातों में प्रति लाभार्थी 1,100 रुपये की दर से कुल 1,233.87 करोड़ रुपये अंतरित किए गए। इस चरण में 98,896 नए लाभार्थियों को भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से जोड़ा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के पात्र लोगों को बिना किसी भेदभाव के सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने पेंशन भुगतान के लिए प्रत्येक माह की 10 तारीख निर्धारित की है, ताकि लाभार्थियों को निर्धारित समय पर उनके बैंक खातों में राशि मिल सके। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि सीधे लाभुकों के बैंक खाते तक पहुंचे, यही सरकार की प्राथमिकता है।

गंगटा से कोहबरवा मोड़ तक सड़क चौड़ीकरण का शिलान्यास

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-333 पर किलोमीटर 28.340 (गंगटा) से किलोमीटर 38.340 (कोहबरवा मोड़) तक सड़क के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से मार्ग अधिक सुरक्षित, सुगम और बेहतर होगा। मुंगेर, जमुई और आसपास के क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क मजबूत होने से आवागमन के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। परियोजना का उद्घाटन अगले वर्ष सितंबर में किए जाने की बात कही गई।

फरक्का जल समझौते में बिहार के हित का प्रयास

मुख्यमंत्री ने बिहार में जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि बिहार को आवश्यकता के समय पानी उपलब्ध हो सके, इसके लिए फरक्का जल समझौते में आवश्यक प्रावधान शामिल कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बक्सर से भागलपुर तक गंगा के पानी का बेहतर प्रबंधन आवश्यक है। बिहार के सामने बाढ़ की समस्या के समाधान के लिए गंगा की धारा और सिल्ट प्रबंधन पर भी गंभीरता से काम करने की जरूरत है। उन्होंने फरक्का बैराज तक गंगा में जमा सिल्ट की समस्या के समाधान की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के 13 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं और 30 लाख से अधिक आबादी इससे प्रभावित हुई है। सरकार की ओर से राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के हित में गंगा के पानी का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

मुंगेर-जमुई वन क्षेत्र का होगा कायाकल्प

मुख्यमंत्री ने मुंगेर-जमुई वन क्षेत्र को विकसित करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि करीब 150 करोड़ रुपये की परियोजना के तहत वन क्षेत्र का विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक महत्व रखने वाले भीम बांध क्षेत्र में पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की संरचनाएं विकसित करने के साथ जंगल में ट्रैकिंग, होटल सहित अन्य पर्यटन सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है, ताकि देश-विदेश के पर्यटक यहां आकर्षित हो सकें।

इसी माह तारापुर और हवेली खड़गपुर में शुरू होगी कोर्ट व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि तारापुर और हवेली खड़गपुर में इसी माह न्यायालय व्यवस्था शुरू की जाएगी। इससे स्थानीय लोगों को न्यायिक कार्यों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की परेशानी कम होगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आधारभूत संरचना और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। 1 सितंबर से 30 नवंबर तक पूरे बिहार में व्यापक स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत करीब साढ़े छह करोड़ लोगों की स्वास्थ्य जांच किए जाने का लक्ष्य है। जांच के बाद आवश्यक उपचार की भी व्यवस्था की जाएगी।

स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में सुधरेगा इंफ्रास्ट्रक्चर

मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 सितंबर से सेवा संकल्प कायाकल्प अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत स्कूलों के आधारभूत ढांचे को बेहतर किया जाएगा। जिन स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय की व्यवस्था नहीं है, वहां शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के बच्चों को बेहतर शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 'बिहार विद्यार्थी साथी ऐप' के माध्यम से विद्यार्थियों को 24 घंटे शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक और ट्राई साइकिल की चाबी

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, स्वयं सहायता समूह से जुड़ी जीविका दीदियों तथा मुख्यमंत्री अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के लाभार्थियों को सांकेतिक चेक प्रदान किए। वहीं मुख्यमंत्री सामर्थ्य योजना-संबल के तहत दिव्यांगजनों को बैटरी चलित ट्राई साइकिल की चाबी भी सौंपी गई। इस अवसर पर गन्ना उद्योग मंत्री सह मुंगेर जिला के प्रभारी मंत्री संजय कुमार, समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता, पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेन्द्र, सांसद अरुण भारती सहित विधायक, जनप्रतिनिधि, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में आम लोग मौजूद रहे।

एक नजर

दो स्कॉर्पियो से 7 लाख की विदेशी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

बक्सर,एजेंसी। गुप्त सूचना के आधार पर डुमरांव थाना क्षेत्र के बड़का ढकाईच स्थित मां शारदा लाइन होटल के परिसर में पुलिस ने छापेमारी कर दो स्कॉर्पियो से विदेशी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरे वाहन के चालक के फरार होने की बात सामने आई है। पुलिस द्वारा दर्ज विवरण के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान उमाकांत पासवान, पिता-अजीत पासवान, निवासी-बड़की नैनीजोर (नैनीजोर थाना), वार्ड संख्या-08, जिला-बक्सर, उम्र करीब 29 वर्ष के रूप में हुई है। पत्र में दर्ज मोबाइल नंबर 8757828548 एवं 9931836740 भी अंकित हैं। बताया गया कि बड़का ढकाईच स्थित मां शारदा लाइन होटल के प्रांगण में दो स्कॉर्पियो संदिग्ध अवस्था में खड़ी होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद डुमरांव थानाध्यक्ष प्रीति कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों की जांच की। तलाशी के दौरान दोनों स्कॉर्पियो से विदेशी शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान एक स्कॉर्पियो का चालक मौके से फरार हो गया, जबकि उमाकांत पासवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार चालक तथा होटल परिसर से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। मामले में मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीवान के तीन बच्चों को मिला नया परिवार, तमिलनाडु, गोवा और झारखंड के दंपत्तियों ने लिया गोद

सीवान। सीवान के तीन बच्चों के जीवन में शुक्रवार को नई उम्मीद और खुशियों का आगाज हुआ। दत्तक ग्रहण नियमावली, 2022 के प्रावधानों के तहत जिला पदाधिकारी विजय प्रकाश मीणा ने विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान एवं बालगृह में आवासित तीन बच्चों

को उनके नए माता-पिता को सौंपने के लिए अंतिम दत्तक ग्रहण आदेश पारित किया। इनमें दो बालिकाओं को तमिलनाडु और गोवा के दंपत्तियों तथा करीब आठ वर्षों से बालगृह में रह रहे एक बालक को झारखंड के दंपत्ति ने गोद लिया। प्रशासन के अनुसार, बच्चों को करीब दो माह पूर्व ही उनके भावी दत्तक माता-पिता को 'प्री एडॉप्शन फोस्टर केयर' के तहत सौंप दिया गया था। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद गुरुवार को जिलाधिकारी ने दत्तक ग्रहण का अंतिम आदेश

पारित किया। इसके साथ ही तीनों बच्चों को कानूनी रूप से उनके नए परिवार का हिस्सा बनने का रास्ता साफ हो गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा ने कहा कि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर भविष्य देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि किसी भी अनाथ, परित्यक्त या फेंके हुए बच्चे को अवैध तरीके से गोद न लें। यदि कहीं कोई ऐसा बच्चा मिलता है तो उसे अपने स्तर से किसी व्यक्ति को सौंपने के बजाय जिला बाल संरक्षण इकाई, विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, नजदीकी थाना अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के माध्यम से सुरक्षित व्यवस्था तक पहुंचायें।

उन्होंने कहा कि नि:संतान दंपत्ति यदि किसी बच्चे को कानूनी रूप से गोद लेना चाहते हैं तो केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इससे बच्चे को भी कानूनी सुरक्षा मिलती है और दत्तक माता-पिता को भी भविष्य में किसी तरह की कानूनी परेशानी नहीं होती। दत्तक ग्रहण कार्यक्रम के दौरान प्रभारी सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई रूपेश कुमार, बाल संरक्षण पदाधिकारी सुधीर कुमार गोंड़, प्रभारी समन्वयक वंदना प्रिया सहित संबंधित अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे। बच्चों के नए परिवार से जुड़ने के मौके पर संस्थान में खुशी का माहौल रहा।

वीर अब्दुल हमीद के शहादत दिवस पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने अर्पित की पुष्पांजलि

पटना। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में वीर अब्दुल हमीद के शहादत दिवस पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहिब्बुल हक ने किया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने वीर अब्दुल हमीद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। कार्यशाला में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। पदाधिकारियों से अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाने और समाज के सभी वर्गों तक सेवा कार्यों का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यशाला में अभियान के कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारियों और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री नितिन अभिषेक, अभियान संयोजक पिंकी कुशवाहा, भाजपा मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल और मो. नूर आलम सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में बिहार के विभिन्न जिलों से आए अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया।

103 वर्ष पुराने मौनिया बाबा मेले का भव्य शुभारंभ, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सीवान। महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में 103 वर्ष पुराने ऐतिहासिक मौनिया बाबा मेला सह राजकीय महोत्सव 2026 का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने मेले का उद्घाटन किया। इस मौके पर महाराजगंज विधायक हेमनारायण साह, जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा, पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, डीडीसी, एसडीएम महाराजगंज समेत कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। उद्घाटन से पहले मौनिया बाबा के समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना की गयी। इसके बाद स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों ने मौजूद लोगों का मन मोह लिया।

प्रशासन के अनुसार महाराजगंज का मौनिया बाबा मेला वर्ष 1923 से भादो अमावस्या के अवसर पर आयोजित होता आ रहा है। उत्तर बिहार के प्रसिद्ध मेलों में शामिल इस मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। वर्ष 2025 में इसे राजकीय महोत्सव का दर्जा मिलने के बाद मेले की गरिमा और महत्व और बढ़ा है। सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि राजकीय मेले का दर्जा मिलने से मौनिया बाबा मेले की पारंपरिक पहचान को नई प्रतिष्ठा मिली है। यह मेला अब सीवान की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। मेले में करीब 23 महावीरी अखाड़े भी भाग लेते हैं। जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा और एसपी भारत सोनी ने शांति समिति के सदस्यों से

अखाड़ों के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि अखाड़ा निकालने के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि राजकीय दर्जा मिलने के बाद मौनिया बाबा मेला पर्यटन और रोजगार की संभावनाओं को भी मजबूत कर रहा है। मेले की बुनियादी संरचना को बेहतर और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी कि आने वाले समय में यह मेला सीवान की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के रूप में और मजबूत होगा। मेला परिसर में लकड़ी और लोहे से बनी पारंपरिक वस्तुओं की भी बड़ी मांग रहती है। यहां अलमारी, संदूक, ओखल और मूसल सहित कई घरेलू सामानों की खरीद-बिक्री होती है। वहीं महावीरी अखाड़ों की आकर्षक प्रस्तुतियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम मेले के प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और आस्था का जनसैलाब मौनिया बाबा मेले को सीवान की सांस्कृतिक जीवंतता का प्रतीक बनाता है।

बिहारः एक-दूसरे को डूबने से बचाने के प्रयास में 5 की मौत, मरने वालों में एक ही परिवार के 4 सदस्य

भागलपुर,एजेंसी। गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण भागलपुर जिले में बाढ़ की स्थिति बेहद भयावह हो चुकी है। गुरुवार को बाईपास थाना क्षेत्र के कोयली खुटहा गांव में बाढ़ के गहरे पानी में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के अनुसार, पीड़ित परिवार के सदस्य अपने खेत की ओर जा रहे थे। बाढ़ के कारण सड़क पूरी तरह जलमग्न थी। इसी दौरान पैर फिसलने या गहराई का अंदाजा न मिलने के कारण परिवार का एक सदस्य गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए बाकी लोग भी एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर पानी में उतर गए। देखते ही देखते, एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में पांचों लोग गहरे पानी की चपेट में आ गए और डूब गए।

स्थानीय ग्रामीणों ने बिना वक्त गंवाए तत्परता दिखाई और भारी मशक्कत के बाद सभी को पानी से बाहर निकाला। आनन-फानन में सभी को मायागंज अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने पांचों लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में मंचों देवी, सोनाक्षी कुमारी, प्रिंस कुमार, अभिषेक कुमार और अंशु प्रिया के रूप में की गई है। हादसे में एक अन्य व्यक्ति की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिसका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है। एक साथ पांच शवों के अस्पताल पहुंचते ही परिजनों के करुण क्रंदन से पूरा

अस्पताल परिसर गूंज उठा। घटना की जानकारी मिलते ही बाईपास थाना पुलिस बल के साथ मायागंज अस्पताल पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। स्थानीय पंचायत के मुखिया और थानाध्यक्ष ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश और दुख है। लोगों का कहना है कि सड़कों पर बाढ़ का पानी जमा होने के कारण गड्ढों और नालों की गहराई का पता नहीं चल पा रहा है, जिससे लगातार हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सभी जलजमाव वाले और खतरनाक स्थानों पर तुरंत बैरिकेडिंग की जाए, सुरक्षाकर्मियों की तैनाती हो और लोगों को सतर्क करने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

बदलते डिजिटल परिदृश्य के अनुरूप कंटेंट और नैरेटिव को मजबूत करना जरूरी : संजय सरावगी

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बिहार के सभी लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों, बिहार विधान परिषद एवं विधानसभा के सदस्यों, बोर्ड एवं निगमों के अध्यक्षों एवं सदस्यों तथा प्रदेश पदाधिकारियों के सोशल मीडिया हैंडलर्स की बैठक-सह-कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सोशल मीडिया के विभिन्न आयामों, नैरेटिव निर्माण, डिजिटल इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने तथा प्रभावी कंटेंट स्ट्रैटेजी को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में सोशल मीडिया संगठन और जनता के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण और प्रभावी माध्यम बन चुका है। ऐसे में पार्टी के सोशल मीडिया हैंडलर्स की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, संगठन के कार्यक्रमों तथा कार्यकर्ताओं के सेवा कार्यों की जानकारी तथ्यपरक, सरल और प्रभावी तरीके से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर सकारात्मक एवं तथ्य आधारित नैरेटिव को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि कंटेंट की गुणवत्ता के साथ उसकी प्रस्तुति, पहुंच और प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया के माध्यम से जनता से निरंतर संवाद स्थापित करने और बदलते डिजिटल ट्रेंड के अनुरूप रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है। कार्यशाला को दो सत्रों में विभाजित किया गया। बिहार राज्य योजना पर्षद के उपाध्यक्ष

एवं प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी देवेश कुमार ने सोशल मीडिया के तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संगठन के विचार, जनसेवा और जनकल्याणकारी कार्यों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने के लिए आवश्यक रणनीति पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक अनमोल शोभित ने भी संबोधित किया। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रभावी कंटेंट निर्माण, ऑडियंस रीच और सोशल मीडिया कम्युनिकेशन को लेकर आवश्यक जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सोशल मीडिया सह-संयोजक शिव नारायण ने किया। कार्यशाला में सोशल मीडिया हैंडलर्स को बदलते डिजिटल परिदृश्य के अनुरूप कंटेंट की गुणवत्ता, प्रस्तुतीकरण, पहुंच और प्रभावी डिजिटल कम्युनिकेशन को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यशाला का उद्देश्य भाजपा के डिजिटल नेटवर्क को अधिक प्रभावी, समन्वित और सशक्त बनाते हुए जनहित एवं जनसेवा से जुड़े विषयों को व्यापक स्तर पर जनता तक पहुंचाना रहा।

एक नजर

रोहित ने विश्व कप में खेलने की संभावना पर कहा, अक्टूबर 2027 अभी बहुत दूर है, तब देखेंगे

मुंबई,एजेंसी। भारत के स्टार क्रिकेटर रोहित शर्मा ने अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में खेलने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर बृहस्पतिवार को यहां कहा कि अक्टूबर 2027 अभी बहुत दूर है। यहां एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व कप्तान ने एक पंक्ति में जवाब दिया। टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट में नहीं खेलने के कारण रोहित के वनडे प्रारूप में भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रहे हैं। रोहित ने कार्यक्रम के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, ''अक्टूबर 2027 अभी बहुत दूर है, तब देखेंगे।'' वनडे विश्व कप 2027 की सह-मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या भारत के खिताब जीतने पर प्रशंसकों के साथ जश्न मनाने के लिए खुली बस में परेड आयोजित की जाएगी, ठीक उसी तरह जैसे 2024 में रोहित के नेतृत्व वाली टीम ने वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप जीतने के बाद मुंबई में विजय परेड निकाली थी। रोहित ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अब बस परेड संभव होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कुछ दिन पहले स्पष्ट कर दिया था कि रोहित को लेकर अटकलों की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित ने वनडे में भारत के लिए अपने आखिरी मैच में शतक बनाया था।

केरलम मंत्री ने कहा कि अर्जेंटीना मैच में अनियमितताओं की विस्तृत जांच होगी

कोच्चि। केरलम के खेल मंत्री ओ जे जानीश ने बृहस्पतिवार को कहा कि अर्जेंटीना की टीम और सुपरस्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के साथ प्रदेश में फुटबॉल मैच कराने के पिछली सरकार के प्रयास में कथित अनियमितताओं की व्यापक जांच की जायेगी। पूर्व खेल मंत्री वी अब्दुरहमान ने कथित अनियमितताओं की जांच के लिये विशेष जांच टीम (एसआईटी) के गठन को लेकर मौजूदा सरकार और खेल मंत्री की आलोचना की थी जिसके बाद जानीश ने पत्रकारों से यह बात कही। जानीश ने कहा ,''पिछली सरकार अपने प्रयासों में नाकाम रही और अर्जेंटीना टीम ने दूसरे देशों में दोस्ताना मैच खेले।'' उन्होंने कहा, ''तथ्य सामने आने चाहिये और एसआईटी जांच के जरिये मामले पर और प्रकाश डाला जा सकेगा। यह स्पष्ट है कि मामले में प्रक्रिया से जुड़ी कई चूक हुई हैं। उन्होंने कहा, ''बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमिततायें भी इसमें शामिल है। क्या विदेश में आयोजन के लिये अनुमति मिली थी या यह केरलम में होना था। अगर केरलम में होना था तो क्या इसके लिये अनुमति ली गई थी। कई पहलुओं पर जांच की जरूरत है। अनुमति मिलने से पहले प्रायोजक कैसे तय हो गया।

सैंटनर ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के लिए बीबीएल का प्रस्ताव ठुकराया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला को प्राथमिकता देते हुए बिग बैश लीग (बीबीएल) के अनुबंध को ठुकरा दिया। सैंटनर से एडिलेड स्ट्राइकर्स ने संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया क्योंकि न्यूजीलैंड का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम है। सैंटनर ने 'न्यूजीलैंड हेराल्ड' से कहा, ''न्यूजीलैंड की टीम का आगामी कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इस दौरान भारत के खिलाफ सीमित ओवरों के अलावा टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे जबकि टीम को ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी करना है। इससे बड़ा कोई और मौका नहीं हो सकता। यह वाकई रोमांचक समय है। मैं इसका हिस्सा बनना चाहूंगा।'' उन्होंने कहा, ''मुझे अच्छी पेशकश की गई थी। मैंने इस पर विचार किया लेकिन आगामी मैचों में मेरी भूमिका होगी, भले ही मैं टेस्ट क्रिकेट के हर मैच में न खेलूं। न्यूजीलैंड 22 अक्टूबर से एक दिसंबर तक भारत की मेजबानी करेगा। इसमें सीमित ओवरों की श्रृंखला के अलावा दो टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे। इसके बाद वह चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा।

यूएस ओपनः कोको गॉफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर आंद्रिवा को हराया, सेमीफाइनल में राइबाकिना से भिड़ंत

न्यूयॉर्क। अमेरिका की कोको गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रिवा को तीन सेटों में 2-6, 7-6 (7), 6-2 से हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। 2023 की चैंपियन गॉफ ने मुकाबले के दौरान दो मैच प्वाइंट बचाकर जीत हासिल की। आर्थर ऐश स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले के पहले सेट में गॉफ पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। आंद्रिवा ने शुरुआत में ही दबदबा बनाते हुए लगातार चार गेम जीते और पूरे सेट में गॉफ को एक भी ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं दिया। पहले सेट में गॉफ ने 14 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि आंद्रिवा ने केवल पांच गलतियां कीं। इसका फायदा उठाते हुए रूसी खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में गॉफ ने लय हासिल की और मुकाबला पूरी तरह बदल गया। दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी और सेट टाईब्रेक तक पहुंचा। आंद्रिवा जीत के बेहद करीब पहुंच गई थीं, लेकिन गॉफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया। दूसरे सेट के टाईब्रेक में एक 39 शॉट की लंबी रैली निर्णायक साबित हुई, जिसे गॉफ ने शानदार बैकहैंड के साथ अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया।

ईशान किशन और कौनैन कुरैशी के दम पर ईस्ट जोन ने 13 साल बाद जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब

चेन्नई,एजेंसी। ईस्ट जोन ने गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में साउथ जोन के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर दलीप ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। ईस्ट जोन ने 13 साल के इंतजार को खत्म करते हुए तीसरी बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती। टीम ने इससे पहले 2012-13 सत्र में खिताब अपने नाम किया था। फाइनल के आखिरी दिन ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में 388/7 के स्कोर पर पारी घोषित की। मोहम्मद कौनैन कुरैशी ने 190 गेंदों पर नाबाद 116 रन की पारी खेलकर अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक लगाया, जबकि अनुकूल रॉय ने 64 रन बनाए। घोषणा के साथ ही ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन टीम ने खिताबी जीत का जश्न शुरू कर दिया। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। कप्तान ईशान किशन ने शानदार 270 रन और कुमार कुशाग्र ने 101 रन की पारी खेली थी। किशन ने दूसरी पारी में भी 80 रन बनाए और मैच में कुल 350 रन पूरे किए।

ईस्ट जोन की खिताबी जीत में झारखंड के उभरते खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही। कुशाग्र के अलावा शिखर मोहन ने दलीप ट्रॉफी पदार्पण पर 85 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने पिछले घरेलू सत्र में दिखाए गए अच्छे फॉर्म को भी जारी रखा। कुशाग्र, शिखर और किशन की तिकड़ी ने ईस्ट जोन की बल्लेबाजी को मजबूती दी। फाइनल के आखिरी दिन कौनैन कुरैशी और अनुकूल रॉय ने सातवें विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की। इसी दौरान धीमी ओवर गति के कारण साउथ जोन पर पांच रन की पेनल्टी भी लगाई गई। मैच अधिकारियों और साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा के बीच लंबे समय तक चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। कुरैशी ने 96वें ओवर में तेज गेंदबाज सीवी मिलिंद की गेंद पर एक्स्ट्रा कवर की दिशा में दो रन लेकर अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद उन्होंने हेलमेट उतारकर हाथ उठाए, जबकि टीम के खिलाड़ियों ने बालकनी से खड़े होकर उनका स्वागत किया। अगले ही ओवर में उन्होंने त्रिपुराना विजय की गेंदों पर मिडविकेट और लॉन्ग ऑन के ऊपर लगातार दो छक्के जड़ दिए। दूसरे छोर पर अनुकूल रॉय ने 89वें ओवर में शेख रशीद की गेंद को प्वाइंट के रास्ते भेजकर एक रन लिया और अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, इसके बाद उनकी पारी 64 रन पर समाप्त हो गई। वह एमडी नधीश की गेंद पर ढीला शॉट खेलने के प्रयास में स्लिप में देवदत्त पडिक्कल के हाथों कैच आउट हुए। 100वें ओवर की दूसरी गेंद पर कुरैशी ने मिलिंद की गेंद को मिड ऑन की ओर खेला। इसके बाद कप्तान ईशान किशन ने पवेलियन से पारी घोषित करने का संकेत दिया। अंपायरों ने तुरंत बेल्स हटा दीं और ईस्ट जोन की खिताबी जीत की औपचारिक पुष्टि हो गई। चेपॉक की मुश्किल पिच और उमस भरे मौसम के बावजूद साउथ जोन के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार जुझारूपन दिखाया। मैच का नतीजा लगभग तय होने के बावजूद उन्होंने लगातार नौ ओवर का लंबा स्पेल किया। पारी घोषित होने के बाद ईस्ट जोन के खिलाड़ी मैदान पर उतरकर जश्न मनाने लगे। ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने स्टंप हाथ में लेकर डांस किया और दर्शकों की ओर हाथ हिलाकर जीत का अभिवादन किया।

पाकिस्तान को 19-0 से रौंदकर भारत महिला जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में

मोकी (चीन)। भारत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां पाकिस्तान को 19-0 से करारी शिकस्त देकर महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा और आक्रामक खेल का नजारा पेश करते हुए टूर्नामेंट की सबसे बड़ी जीत में से एक दर्ज की। भारत ने जहां 19 गोल किए, 18 पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया, वहीं पाकिस्तान एक भी गोल, पेनल्टी कॉर्नर या पेनल्टी स्ट्रोक हासिल नहीं कर पाया। भारत शनिवार को सेमीफाइनल में कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगा।

भारत ने पहले क्वार्टर में पांच, दूसरे क्वार्टर में भी पांच, तीसरे क्वार्टर में तीन और अंतिम क्वार्टर में छह गोल करके बड़ी जीत दर्ज करके शान से सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत को शुरुआती पांच मिनट के भीतर दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, हालांकि वह इनका फायदा नहीं उठा पाया। भारत ने छठे मिनट में गोल दाग दिया था, लेकिन रेफरल के बाद गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। भारत ने अपना दबाव बनाए रखा और एक मिनट बाद ही उसे एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस बार पूजा साहू ने कोई गलती नहीं की और भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारत ने नौवें मिनट में रोशनी ऐंद के मैदानी गोल से अपनी बढ़त को तुरंत दोगुना कर दिया। इस क्वार्टर में भारत को मिले चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर तनुश्री काडू ने 11वें मिनट में डिफ्लेक्शन के जरिए गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने सर्कल के अंदर फाउल किया, जिससे भारत को 13वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे सुखवीर कौर ने गोल में बदला। सानिका माने ने इसके तुरंत बाद मैदानी गोल दागकर पहले क्वार्टर के बाद स्कोर 5-0 कर दिया। मधु सिदार ने 16वें मिनट में मैदानी गोल किया, जिसके दो मिनट बाद गीता यादव ने एक और गोल करके भारत की बढ़त को 7-0 तक पहुंचा दिया। सानिका ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद तनुजा टोप्पो ने 25वें मिनट में मैच का अपना पहला गोल दागा। भारत ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। पूजा मलिक ने 27वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर हाफ टाइम से पहले स्कोर 10-0 कर दिया। तीसरे क्वार्टर के शुरू में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर पूर्णिमा यादव ने डिफ्लेक्शन से गोल करके स्कोर 11-0 कर दिया। मधु ने 39वें मिनट में और सुप्रिया ने 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। कृष्णा शर्मा ने 48वें मिनट में मैदानी गोल किया। यह उनका टूर्नामेंट में पहला गोल था।

अफगानिस्तान टी20 और एशियाई खेलों के लिये हर्षित राणा की जगह यश ठाकुर टीम में, बुमराह फिट

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज यश ठाकुर को अफगानिस्तान श्रृंखला और एशियाई खेलों के लिये चोटिल हर्षित राणा की जगह भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को फिट घोषित कर दिया गया है। आखिरी बार इंग्लैंड दौरे पर भारत के लिये खेलने वाले राणा बेंगलुरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलैंस में चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। अब उन्हें सोमवार को अभ्यास के दौरान गेंदबाजी करते समय जांघ में चोट लग गई। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''राणा रिहैब के दौरान ठीक हो रहे थे। लेकिन उन्हें मैच स्थिति की तरह अभ्यास करते समय सात सितंबर को जांघ में चोट लग गई और अब वह नहीं खेल सकेंगे। 27 वर्ष के ठाकुर ने जुलाई में भारत के जिम्बाब्वे दौरे पर ही टी20 क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने दो मैचों में चार विकेट लिये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 7.04 की इकॉनॉमी से 81 विकेट चटकाये। दूसरी तरफ बुमराह बाएं घुटने की चोट के कारण जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के बाद नहीं खेल पाए हैं। उन्हें भी फिटनेस मंजूरी मिलने के आधार पर टीम में शामिल किया गया था। बुमराह के अलावा ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर को भी इन दो टूर्नामेंट में खेलने के लिए मंजूरी मिल गई है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 13 सितंबर से शुरू होगी। इसके बाद भारतीय टीम जापान से 22 सितंबर को एक मैच खेलेगी। एशियाई खेलों में भारत को पहला मैच 28 सितंबर को खेलना है।

अफगानिस्तान श्रृंखला के लिये टीमः

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नीतिश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरूण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर।

एशियाई खेलों के लिये भारतीय टीमः

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरूण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर।

विनीसियस जूनियर और राफिन्हा भारत के साथ मुकाबले के लिए ब्राजील की टीम में

नई दिल्ली,एजेंसी। रियाल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर, बार्सिलोना के विंगर राफिन्हा और पेरिस सेंट-जर्मेन के अनुभवी खिलाड़ी मार्क्विनहोस को तीन अक्टूबर को भारत के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक फुटबॉल मुकाबले के लिए ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय फुटबॉल के इतिहास में इस ऐतिहासिक मुकाबले में ब्राजील की टीम स्थानीय समयानुसार शाम 7:30 बजे कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत का सामना करेगी। यह पहला अवसर होगा जबकि यह दोनों टीम आमने-सामने होंगी।

ब्राजील की टीम इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के दौरे में दो मैच खेलेगी। ये मैच 25 सितंबर को टाउन्सविले में और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में खेले जाएंगे। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने बुधवार को रियो डी जनेरियो में ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) के मुख्यालय में विश्व कप के बाद अपनी पहली टीम की घोषणा की। विनीसियस, राफिन्हा और मार्क्विनहोस टीम में शामिल अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनके अलावा आर्सेनल की तरफ से खेलने वाले गेब्रियल मैगलहेस और ब्रूनो गुइमारेस को भी टीम में बनाए रखा गया है। एंसेलोटी ने टीम में कई ऐसे खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है जो 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में खेलने की पात्रता रखते हों। विश्व कप में ब्राजील की कप्तानी करने वाले मार्क्विनहोस टीम के सबसे अनुभवी सदस्य हैं। विश्व कप में पांच बार की चैंपियन ब्राजील को राउंड ऑफ 16 में नॉर्वे ने हरा दिया था। एंसेलोटी ने कहा, ''हमें संतुलित टीम तैयार करनी होगी जिसमें पिछले सत्र में खेलने वाले खिलाड़ियों के अलावा युवा खिलाड़ी भी शामिल हों। हमारा मकसद प्रतिस्पर्धा बनाए रखते हुए भविष्य के लिए कुछ मजबूत आधार तैयार करना है। सबसे अहम बदलाव डिफेंस में देखने को मिले हैं क्योंकि ब्राजील ने विश्व कप के लिए चुने गए गोलकीपरों की तिकड़ी एलिसन, एडर्सन और वेवर्टन को टीम से बाहर कर दिया है। उसने ह्यूगो सूजा को पहली पसंद के गोलकीपर के रूप में टीम में शामिल किया है। पेड्रो मोरिस्को और ओटावियो टीम में शामिल दो अन्य गोलकीपर हैं। रक्षापंक्ति में मार्क्विनहोस और मैगलहेस जैसे खिलाड़ियों के साथ आर्थर डायस, जायर, मैथ्यूज़िन्हो और माउरो जूनियर जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। एंसेलोटी ने कहा, ''हम प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों पर नजर रख रहे हैं। हम युवा टीमों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं क्योंकि हम यह जानना चाहते हैं कि कौन से खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित सकते हैं। जब वे तैयार हों, तब हमें उन्हें अवसर देना होगा। टीम में 20 साल या उससे कम उम्र के छह खिलाड़ी हैं, जबकि आठ खिलाड़ी सीनियर वर्ग में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करने के लिए तैयार हैं।

ब्राजील की टीम इस प्रकार हैः

गोलकीपरः ह्यूगो सूजा (कोरिंथियंस), पेड्रो मोरिस्को (कोरीतिबा), ओटावियो (क्रूज़िरो)।

डिफेंडर : आर्थर डायस (एथलेटिको-पीआर), डगलस सैंटोस (जेनिट), गेब्रियल मैगलहेस (आर्सेनल), जायर (नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट), मार्क्विनहोस (पीएसजी), मैथ्यूज़िन्हो (कोरिंथियंस), माउरो जूनियर (पीएसवी आइंडहोवेन), विटोर रीस (मैनचेस्टर सिटी), वेस्ले (रोम)।

मिडफील्डरः एंड्री सैंटोस (मैनचेस्टर यूनाइटेड), ब्रेनो बिडोन (कोरिंथियंस), ब्रूनो गुइमारेस (आर्सेनल), डेनिलो सैंटोस (बोटाफोगो), डगलस लुइज़ (जुवेंटस), गेब्रियल बोंटेम्पो (सैंटोस)।

फॉरवर्डः एंड्रिक (रियल मैड्रिड), स्टीफन (चेल्सी), जोआओ पेड्रो (चेल्सी), पेड्रो (फ्लैमेंगो), रफिन्हा (बार्सिलोना), रेयान (बोर्नमाउथ), सैमुअल लिनो (फ्लैमेंगो) और विनीसियस जूनियर (रियाल मैड्रिड)।

यूएस ओपनः राइबाकिना ने झेंग को हराया, सबालेंका का 99 सप्ताह का नंबर-1 राज खत्म

न्यूयॉर्क। कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना ने बुधवार को झेंग छिनवेन को तीन सेटों में हराकर पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ राइबाकिना ने विश्व नंबर-1 रैंकिंग भी सुनिश्चित कर ली है। सोमवार को जारी होने वाली नई डब्ल्यूटीए रैंकिंग में वह आर्यना सबालेंका को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल करेंगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन राइबाकिना ने आर्थर ऐश स्टेडियम में धीमी शुरुआत से उबरते हुए झेंग को 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। 27 वर्षीय राइबाकिना के लिए यह पहली बार है जब वह यूएस ओपन के अंतिम चार में पहुंची हैं। राइबाकिना के शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचने के साथ सबालेंका का नंबर-1 पर 99 सप्ताह का लगातार कब्जा समाप्त हो जाएगा। हालांकि इस उपलब्धि के बावजूद राइबाकिना ने कहा कि उनका पूरा ध्यान फिलहाल टूर्नामेंट जीतने और सेमीफाइनल के लिए समय पर खुद को तैयार करने पर है। सेमीफाइनल में राइबाकिना का सामना चौथी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ या पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रीवा से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में सबालेंका का मुकाबला तीसरी वरीय जेसिका पेगुला से होगा। झेंग के खिलाफ मुकाबले में राइबाकिना को शुरुआत में काफी परेशानी हुई। आर्थर ऐश स्टेडियम में बदलती धूप और छाया के कारण वह अपनी लय हासिल नहीं कर पा रही थीं। झेंग ने इसका फायदा उठाते हुए पहले सेट में एकमात्र ब्रेक हासिल किया और 6-3 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में राइबाकिना ने शानदार वापसी की। सर्विस और बेसलाइन से उनकी लय बेहतर हुई और उन्होंने 38 मिनट में सेट 6-1 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन 4-4 के स्कोर पर झेंग की डबल फॉल्ट ने राइबाकिना को 5-4 की बढ़त दिला दी। इसके बाद राइबाकिना ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। झेंग के लिए क्वार्टर फाइनल तक का सफर भी बेहद प्रभावशाली रहा। कोहनी की सर्जरी के बाद उनकी रैंकिंग गिरकर 121वें स्थान पर पहुंच गई थी और उन्हें यूएस ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए क्वालीफाइंग खेलना पड़ा। 2024 ओलंपिक चैंपियन और पूर्व विश्व नंबर-4 झेंग अब शीर्ष 60 में वापसी करेंगी। राइबाकिना यूएस ओपन में यह जानते हुए उतरी थीं कि सेमीफाइनल में पहुंचना उन्हें सबालेंका से आगे निकलने के लिए पर्याप्त होगा। अब यह लक्ष्य हासिल करने के बाद उनकी नजर यूएस ओपन खिताब जीतकर इस सत्र में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ने पर होगी।

विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज के तीसरे चरण में भारत ने चार स्वर्ण सहित कुल 15 पदक जीते

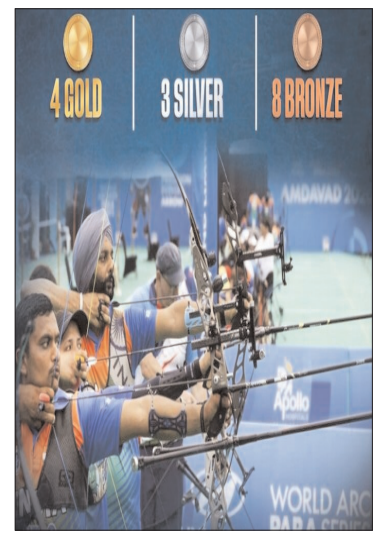

अहमदाबाद,एजेंसी। मेजबान भारत ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज के तीसरे चरण में चार स्वर्ण, तीन रजत और आठ कांस्य सहित कुल 15 पदक जीतकर अपने अभियान का शानदार समापन किया। पदक तालिका में हालांकि भारत पांच स्वर्ण पदक जीतने वाले चेक गणराज्य से पीछे दूसरे स्थान पर रहा। चीन ने दो स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

इस प्रतियोगिता ने भारत के पैरा तीरंदाजों को 18 से 24 अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई पैरा खेलों के लिए तैयारी का अच्छा मौका मिला। भारत की स्वर्ण पदक जीतने की मुहिम का नेतृत्व पैरालंपिक चैंपियन हरविंदर सिंह ने किया। उन्होंने विजय सुंडी के साथ मिलकर पैरा रिकर्व पुरुष युगल का खिताब जीता। हरविंदर ने प्रतियोगिता अंतिम दिन भावना के साथ जोड़ी बनाकर पैरा रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। श्याम सुंदर स्वामी और तोमन कुमार ने पैरा कंपाउंड पुरुष युगल में भारत को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया, जिसके बाद विश्व चैंपियन और पेरिस पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता शीतल देवी ने पैरा कंपाउंड महिला वर्ग में व्यक्तिगत खिताब जीता। सरिता ने भी कांस्य पदक जीतकर शीतल देवी के साथ पोडियम पर अपनी जगह बनाई। भारत के तीन रजत पदक भावना और पूजा ने पैरा रिकर्व महिला युगल में, तन्वी इंगले ने दृष्टिबाधित वर्ग में और स्वाति चौधरी और आदिल मोहम्मद नजीर अंसारी ने महिला प्रथम श्रेणी की मिश्रित टीम स्पर्धा में जीते। भारत ने आठ कांस्य पदक भी जीते, जिसमें युगल गर्ग ने दृष्टिबाधित वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया। स्वाति चौधरी ने महिला वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जबकि शीतल देवी और विश्व चैंपियन तोमन कुमार ने पैरा कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया।

इससे पहले तोमन ने पैरा कंपाउंड पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था, जबकि भावना ने पैरा रिकर्व महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर तीन पदक जीते। इसके बाद स्वाति ने वसुंधरा तेओतिया के साथ महिला प्रथम श्रेणी के युगल स्पर्धा में एक और कांस्य पदक जीता, जिससे उनके पदकों की कुल संख्या दो हो गई। आदिल ने विनायक ब्रीड के साथ जोड़ी बनाकर महिला वर्ग के पुरुष युगल में कांस्य पदक जीतकर कुल दो पदक हासिल किए।

एक नजर

भारत और फ्रांस ने निजी क्षेत्र के नए समझौतों के साथ अंतरिक्ष सहयोग को बढ़ाया

पेरिस,एजेंसी। भारत और फ्रांस के अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तहत दोनों देशों की कंपनियों ने उपग्रह प्रक्षेपण, अंतरिक्ष निगरानी और सूक्ष्म उपग्रह प्रौद्योगिकी से जुड़े तीन नए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। एक आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली। पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन में घोषित इन समझौतों में फ्रांस की कंपनी 'सफ्रान स्पेस' और भारत की 'ध्रुव स्पेस' के बीच पांच लाख यूरो से अधिक मूल्य के अनुबंध शामिल हैं। ये अनुबंध भारत की प्रस्तावित 52 उपग्रहों वाली अंतरिक्ष निगरानी प्रणाली में इस्तेमाल की जाने वाली प्रौद्योगिकियों से जुड़े हैं। ये नए समझौते भारत और फ्रांस के बीच पांच दशक से अधिक समय से चले आ रहे अंतरिक्ष सहयोग की पृष्ठभूमि में हुए हैं। यह सहयोग भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी 'सीएनईएस' के बीच साझेदारी पर आधारित रहा है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन का पहला संस्करण 9-10 सितंबर को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सरकारें, कंपनियां, अंतरिक्ष एजेंसियां और वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

इस शिखर सम्मेलन में 51 घोषणाएं की गईं, जिनमें करीब 20 अरब यूरो के अनुबंध, निवेश और अन्य प्रतिबद्धताएं शामिल हैं। एक अन्य बड़े समझौते के तहत, फ्रांस की प्रक्षेपण सेवा प्रदाता कंपनी 'राइड' ने भारत की कंपनी 'टेकमीटूस्पेस' के लिए दो उपग्रहों के प्रक्षेपण को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वहीं, फ्रांस की अंतरिक्ष कंपनी 'यू-स्पेस' और भारतीय कंपनी 'एक्सिसकेड्स' ने भारत के सूक्ष्म उपग्रह बाजार के बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने तथा बढ़ती वाणिज्यिक और संस्थागत मांग को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

नेपाल में बाढ़ से जान गवांने वालों की संख्या 1,377 हुई, लापता लोगों की तलाश जारी

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 1,377 हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि प्रभावित जिलों से और शव बरामद किए गए हैं, जबकि 5,000 से अधिक लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान जारी है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के अनुसार, चितवन जिले से कम से कम 364 शव, पूर्वी नवलपरासी से 228, पश्चिमी नवलपरासी से 222 और नुवाकोट से 198 शव बरामद किए गए हैं। इसी तरह, रसुवा से 178, गोरखा से 77, धाडिंग से 70 और तनाहुं से 38 शव बरामद किए गए हैं। एनडीआरआरएमए के अनुसार, बाढ़ के दो पीड़ितों की काठमांडू में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, सुरक्षा कर्मियों की संयुक्त कमांड ने लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान जारी रखा है। लापता लोगों की अनुमानित संख्या 5,130 है। अब तक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 13,656 लोगों को बचाया जा चुका है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास 26 अगस्त को हिमस्खलन के कारण अचानक आयी बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों तथा गांवों में भारी तबाही मचाई। हिमालयी सीमावर्ती क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी बाढ़ के पानी को अपने साथ नीचे ले आई जिससे घर, वाहन, सड़कें और पुल बह गए तथा जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। चीनी मीडिया की खबरों के अनुसार, इस आपदा में चीन की ओर भी कम से कम 43 लोगों की मौत हुई है जबकि तिब्बत में 500 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

अमेरिका के सांसदों ने डेटा 'चोरी' के मामले में भारत की तीन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को पत्र लिखकर भारत की तीन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, जिन्होंने कथित तौर पर हजारों अमेरिकियों और अमेरिका की कंपनियों का डेटा चुराया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद रोन वेडन तथा शेल्डन व्हाइटहाउस और रिपब्लिकन पार्टी के सांसद पैट हैरिगन ने वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटानिक से 'सनकिस्ड ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड', 'बेलट्रॉक्स लिमिटेड' और 'साइबररूट लिमिटेड' के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है और दावा किया कि इन कंपनियों ने हजारों अमेरिकियों और अमेरिकी कंपनियों का डेटा हैक कर चुराया है। वेडन, हैरिगन और व्हाइटहाउस ने लुटानिक को लिखे पत्र में कहा, ''भारत में मौजूद कई साइबर गिरोहों ने 15 से ज़्यादा वर्षों तक अमेरिकी नागरिकों, व्यवसायों और उनका प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों की जासूसी की है।

सांसदों ने कहा कि 'रॉयटर्स' और 'द सिटिजन लैब' की जांच में सामने आया है कि इन कंपनियों ने बड़े पैमाने पर हैकिंग कर निजी इक्विटी कंपनियों, दवा कंपनियों और मुकदमों को प्रभावित करने के लिए अमेरिका की प्रमुख विधि कपनियों के 1,000 से अधिक वकीलों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि इस बात के सबूत हैं कि ये समूह कतर सरकार के इशारे पर काम कर रहे थे। इन समूहों ने कतर की विश्व कप मेजबानी की दावेदारी के विरोधियों और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्थायी खुफिया समिति के एक पूर्व रिपब्लिकन अध्यक्ष के परिवार को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि इन भारतीय कंपनियों ने गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और 'द न्यू यॉर्कर' समेत अमेरिका की प्रौद्योगिकी और मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर कर रखे हैं। आरोप है कि इन मुकदमों का उद्देश्य उनकी आलोचना को दबाना और अपने कथित अवैध हैकिंग अभियानों से जुड़े तथ्यों को सार्वजनिक होने से रोकना है। सांसदों ने वाणिज्य विभाग के उद्योग एवं सुरक्षा ब्यूरो से इन तीनों कंपनियों को अमेरिका की प्रतिबंधित संस्थाओं की सूची में शामिल करने का आग्रह किया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, सुरक्षा परिषद में सुधार पर जोर देंगे संरा महासचिव

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतानियो गुतारेस इस सप्ताह के अंत में भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के महत्व और सुरक्षा परिषद सहित बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार की जरूरत पर जोर देंगे, ताकि ये संस्थाएं मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को प्रतिबिंबित कर सकें। गुतारेस 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली पहुंचेंगे। यह सम्मेलन 12-13 सितंबर को नयी दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। उन्हें 13 सितंबर को 'समावेशी वैश्विक विकास के लिए भविष्य को आकार देना : लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता' विषय पर आयोजित खुले सत्र को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार को यहां नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''महासचिव अपने संबोधन में यह रेखांकित कर सकते हैं कि आज की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और भू-राजनीतिक वास्तविकताएं 1945 जैसी नहीं हैं और शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले देश इस बदलती वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि गुतारेस के इस बात पर भी 'जोर देने की उम्मीद है कि बहुध्रुवीयता वैश्विक व्यवस्थाओं और संस्थाओं में संतुलन लाने में मदद कर सकती है'', लेकिन इसके लिए 'ब्रेटन वुड्स' (द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और मौद्रिक व्यवस्था) प्रणाली और सुरक्षा परिषद सहित बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार करना होगा, ताकि वे आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित कर सकें। भारत और कई अन्य देश लंबे समय से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करते रहे हैं। इन देशों का तर्क है कि 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की मौजूदा संरचना 21वीं सदी की भू-राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं करती। भारत संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय में व्यापक सुधार की अपनी मुहिम के तहत सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की मांग करता रहा है। दुजारिक ने कहा कि गुतारेस के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने और शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले अन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी उम्मीद है। भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। वह ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य है और इससे पहले 2012, 2016 और 2021 में समूह की अध्यक्षता कर चुका है। भारत ने एक जनवरी को ब्रिक्स की अपनी चौथी अध्यक्षता संभाली थी। इसके साथ ही समूह की स्थापना के 20 वर्ष पूरे हो गए। बैठक में पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभाव सहित कई गंभीर वैश्विक चुनौतियों पर व्यापक विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। ब्रिक्स की थीम ''लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण'' है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में गुतारेस का दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल दिसंबर 2026 में समाप्त हो रहा है। उन्होंने इससे पहले फरवरी में नयी दिल्ली में आयोजित 'इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिति 2026' में हिस्सा लेने के लिए भारत की यात्रा की थी। यह 'ग्लोबल साउथ' में आयोजित पहला वैश्विक एआई (कृत्रिम मेधा) शिखर सम्मेलन था, जिसमें ''लोग, पृथ्वी और प्रगति'' के सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

जन्म दर बढ़ाने के लिए शंघाई ने मातृत्व देखभाल को पूरी तरह मुफ्त किया

बीजिंग,एजेंसी। चीन के वाणिज्यिक शहर शंघाई ने घटती जन्म दर और तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी की चुनौती से निपटने के लिए मातृत्व देखभाल को पूरी तरह मुफ्त करने की घोषणा की है। शहर की सरकार ने इस सप्ताह के शुरू में एक नई नीति लागू की, जिसके तहत गर्भावस्था जांच से लेकर प्रसव और उसके बाद की देखभाल तक मातृत्व सेवाओं पर होने वाला पूरा व्यक्तिगत खर्च माफ कर दिया गया है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की बुधवार की रिपोर्ट के अनुसार, यह नीति केंद्र सरकार की उस पहल से आगे बढ़कर है, जिसके तहत इस साल के अंत तक देशभर में अस्पताल में प्रसव से जुड़ी बुनियादी सेवाएं सभी मरीजों के लिए मुफ्त करने का लक्ष्य रखा गया है। चीन यह कदम ऐसे समय उठा रहा है जब गिरती जन्म दर से पैदा हुआ जनसांख्यिकीय संकट देश की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के लिए खतरा बन रहा है। शंघाई के नगर स्वास्थ्य ब्यूरो ने बताया कि अक्टूबर से शहर की चिकित्सा बीमा योजना में शामिल सभी महिलाओं को 4,500 युआन (करीब 671 अमेरिकी डॉलर) का मातृत्व भत्ता मिलेगा। यदि खर्च इससे अधिक होता है तो बाकी राशि मातृत्व बीमा के तहत वहन की जाएगी। ब्यूरो ने कहा कि प्रसव पूर्व जांच, अस्पताल में प्रसव और प्रसव के बाद 42 दिनों तक की देखभाल पर होने वाले खर्च की पूरी भरपाई की जाएगी।

चीन की केंद्र सरकार ने पिछले साल देशभर में प्रसव के लिए शून्य व्यक्तिगत खर्च वाली नीति लागू करने का वादा किया था, लेकिन यह अभी तक पूरे देश में पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है। देश में घटती जन्म दर, कामकाजी उम्र वाली आबादी में कमी और बढ़ती जीवन प्रत्याशा ने जनसांख्यिकीय दबाव बढ़ा दिया है। इस गंभीर संकट के लिए सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की दशकों पुरानी एक-बच्चा नीति को भी जिम्मेदार ठहराया जाता है। आर्थिक प्रभाव को देखते हुए चीन ने 2016 में इस नीति को समाप्त कर सभी दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दी थी। इसके बाद भी जन्म दर में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तब चीन ने 2021 में अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करते हुए दंपतियों को तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति दे दी, ताकि अधिक बच्चे पैदा करने को लेकर लोगों की हिचकिचाहट कम हो सके।

भारत के परमाणु जखीरे में 190 आयुध होने का अनुमान : रिपोर्ट

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के एक गैर लाभकारी विचार समूह के अनुसार, भारत के परमाणु जखीरे में 190 आयुध होने का अनुमान है, जिनमें वर्तमान में निर्मित की जा रही नयी मिसाइलों के लिए 30 अतिरिक्त परमाणु आयुध भी शामिल हैं। 'फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स' (एफएएस) ने ये अनुमान खुले स्रोत, सरकारी डेटा और वाणिज्यिक उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर लगाए हैं। एफएएस परमाणु सूचना परियोजना के निदेशक हैंस क्रिस्टेंसन के लेख 'इंडियाज न्यूक्लियर वेपन्स - 2026' के अनुसार, ''परमाणु आयुध से मिसाइल को लैस करने की भारत की क्षमता और रणनीति के बारे में उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के आधार पर, हमारा अनुमान है कि भारत ने लगभग 190 परमाणु आयुध बनाए होंगे। इसमें कहा गया है कि भारत के परमाणु आयुध भंडार में 'लॉन्चर' के लिए 160 से अधिक आयुध और निर्मित हो रही नयी मिसाइलों के लिए अतिरिक्त आयुध शामिल हैं। बुधवार को प्रकाशित एक आलेख में बताया गया है कि भारत अपने परमाणु आयुध के जखीरे को आधुनिक बनाने का काम जारी रखे हुए है। हाल के वर्षों में कई नयी हथियार प्रणाली तैनात की गई हैं और कई अन्य प्रणाली विकसित की जा रही हैं, ताकि परमाणु आयुध से लैस किये जा सकने वाले मौजूदा विमानों, सतह से मार करने वाली मिसाइल और समुद्र-आधारित प्रणाली को बेहतर बनाया जा सके, या उनकी जगह नयी प्रणाली लाई जा सके। आलेख में कहा गया है, ''हमारा अनुमान है कि भारत ने 140 से लेकर 225 परमाणु आयुध तक के लिए पर्याप्त सैन्य प्लूटोनियम का उत्पादन किया होगा और 190 तक तैयार कर लिए होंगे।

कई और हथियार प्रणालियों के विकास के साथ, देश के (परमाणु) आयुध जखीरे में और वृद्धि होने की संभावना है। इसमें कहा गया है, ''आयुध के डिजाइन चाहे जैसे भी हों, इस बात की संभावना कम है कि भारत ने अपने सारे प्लूटोनियम का इस्तेमाल परमाणु आयुध बनाने में किया हो। हो सकता है कि उसने कुछ हिस्सा रिजर्व में रखा हो। आलेख में यह भी कहा गया है कि भारत के परमाणु आयुध के जखीरे का आकार उन लॉन्चर की संख्या और प्रकार पर भी निर्भर करता है जो उन्हें ले जा सकते हैं, क्योंकि इस बात की संभावना कम है कि वह इन प्रणालियों की क्षमता से कहीं अधिक परमाणु आयुध बनाएगा।

हांगकांग: वॉल स्ट्रीट जर्नल के प्रकाशक अपने संवाददाता को यूनियन का पद संभालने से रोकने के दोषी

हांगकांग,एजेंसी। हांगकांग की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' (डब्ल्यूएसजे) के प्रकाशक को अपनी एक संवाददाता को एक यूनियन का पद संभालने से रोकने का दोषी ठहराया। इस मामले ने शहर में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर चिंताओं को बढ़ा दिया है। हालांकि, अदालत ने 'डाउ जोंस पब्लिशिंग कंपनी (एशिया) इनकॉर्पोरेटेड' को यूनियन में भूमिका के कारण संवाददाता को नौकरी से बर्खास्त करने के आरोप से बरी कर दिया। डब्ल्यूएसजे की पूर्व संवाददाता एवं ट्रेड यूनियन 'हांगकांग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन' की अध्यक्ष सेलिना चेंग ने जुलाई 2024 में अपनी नौकरी गंवाने के बाद 'डाउ जोंस पब्लिशिंग कंपनी (एशिया) इनकॉर्पोरेटेड' के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

कभी एशिया में प्रेस की स्वतंत्रता के लिए पहचान रखने वाला हांगकांग हाल के वर्षों में मीडिया के परिदृश्य में बदलाव देख रहा है। इनमें समाचार संस्थानों को जबरन बंद कराना और उनके शीर्ष अधिकारियों पर मुकदमे चलाना शामिल है। प्रधान मजिस्ट्रेट डेविड चेउंग ने प्रतिवादी को पहले आरोप में दोषी ठहराया, लेकिन कहा कि दूसरे आरोप को साबित करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं और बचाव पक्ष की दलीलों से उचित संदेह पैदा होता है। चेंग ने पहले कहा था कि उनके पर्यवेक्षक ने उनसे कहा था कि यूनियन चुनाव में उनका हिस्सा लेना समस्या पैदा कर सकता है और पर्यवेक्षक को इस मुद्दे पर न्यूयॉर्क में 'जर्नल' के प्रबंधन और डाउ जोंस के कानूनी विभाग से सलाह-मशविरा करने की आवश्यकता है। चेंग ने बताया कि उनसे कहा गया था कि उनकी यूनियन की भूमिका उनकी नौकरी के अनुकूल नहीं होगी। डाउ जोंस ने पिछले साल शहर के रोजगार अध्यादेश के तहत लगाए गए दोनों आरोपों में खुद को निर्दोष बताया था। इनमें से प्रत्येक आरोप में अधिकतम 1,00,000 हांगकांग डॉलर (लगभग 12,750 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना हो सकता है। पहला आरोप कंपनी पर चेंग को यूनियन में भागीदारी के अधिकारों का प्रयोग करने से रोकने या हतोत्साहित करने का है, जबकि दूसरा आरोप यूनियन में भागीदारी के अधिकार का इस्तेमाल करने पर उन्हें नौकरी से निकालने का है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत को यह समझाने की कोशिश की कि चेंग को छंटनी के कारण नौकरी से हटाया गया था और दलील दी कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि कंपनी प्रबंधन ने चेंग के पर्यवेक्षक को ऐसे निर्देश दिए थे। बचाव पक्ष ने पिछली सुनवाई में चेंग पर दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम करने का भी आरोप लगाया था। वर्ष 2024 में चेंग को नौकरी से निकाले जाने के फैसले ने कई पत्रकारों को हैरानी में डाल दिया था, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि हांगकांग के स्थानीय मीडिया संस्थानों की तुलना में विदेशी समाचार संगठनों को कम दबाव का सामना करना पड़ता था। बीजिंग द्वारा 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किए जाने के बाद सरकार की आलोचनात्मक कवरेज के लिए चर्चित दो स्थानीय समाचार पत्र 'एप्पल डेली' और 'स्टैंड न्यूज' अपने शीर्ष प्रबंधन की गिरफ्तारी के बाद बंद हो गए थे।

भारतीय मूल के दंपति ने एआई और एडवांस्ड एनालिटिक्स के लिए अमेरिकी विवि को दिए दो करोड़ डॉलर

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के एक दंपति ने टेक्सास स्थित अपने पूर्व विश्वविद्यालय को दो करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान दिया है। इस राशि से संस्थान में कृत्रिम मेधा (एआई) और एडवांस्ड एनालिटिक्स के क्षेत्र में शिक्षा और शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। अनुराधा और विकास सिन्हा ने नॉर्थ टेक्सास विश्वविद्यालय (यूएनटी) को दो करोड़ डॉलर का दान दिया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इस राशि का उपयोग कृत्रिम मेधा और एडवांस्ड एनालिटिक्स पर ध्यान केंद्रित करते हुए छात्रों और शिक्षकों के लिए नए अवसर पैदा करने में किया जाएगा। विश्वविद्यालय इस दान से 'अनुराधा एंड विकास सिन्हा कॉलेज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एडवांस्ड एनालिटिक्स' स्थापित करेगा। यह कॉलेज एआई, इंटेलिजेंट सिस्टम और डेटा एनालिटिक्स पर केंद्रित शैक्षणिक एवं शोध केंद्र के रूप में काम करेगा।

यूएनटी में सिन्हा दंपति का निवेश और विश्वविद्यालय से उनका जुड़ाव लगातार बढ़ा है। 2024 में उन्होंने दान दिया था जिससे 'अनुराधा एंड विकास सिन्हा डिपार्टमेंट ऑफ डेटा साइंस' की स्थापना की गई थी। इसके साथ छात्रवृत्ति, शिक्षकों, शोध और विशेष पहलों के लिए भी वित्त की व्यवस्था की गई थी। इसके एक साल बाद उन्होंने एक और बड़ा योगदान दिया जिससे 'सिन्हा इनोवेशन लैब फॉर डेटा साइंस' की स्थापना की गई। विकास सिन्हा ने कहा, ''शिक्षा ने हमारे लिए अवसरों के दरवाजे खोले हैं और हम चाहते हैं कि ये दरवाजे दूसरों के लिए भी खुले रहें।'' उन्होंने कहा, ''इस बात का एक बड़ा कारण यह है कि अनु और मुझे इस बात पर बहुत भरोसा है कि यूएनटी छात्रों के लिए क्या कुछ मुमकिन बना सकता है - जिसमें वे छात्र भी शामिल हैं जो शायद दूसरे देशों से वही महत्वाकांक्षा और शिक्षा में वही विश्वास लेकर यहां आते हैं, जो कभी हमारे मन में था।विकास सिन्हा ने कहा, ''हमारे लिए यह दान उस अवसर को आगे बढ़ाने और यह स्वीकार करने के बारे में है कि अप्रवासी केवल अमेरिकी सपने में भागीदार नहीं होते, बल्कि वे उसे साकार करने में भी योगदान देते हैं।'' उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा हमारी पीढ़ी की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक होगी और विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है कि वे उन लोगों को तैयार करें जो इसके भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने कहा, ''यूएनटी की सबसे अच्छी बात यह है कि वह छात्रों को केवल एआई का इस्तेमाल करना भर नहीं सिखाएगा बल्कि वह उन्हें एआई बनाने, समझने, उस पर सवाल उठाने, उसके लिए नियम बनाने और जिम्मेदारी के साथ उसका इस्तेमाल करने के लिए तैयार करेगा। इससे इंटेलिजेंट सिस्टम के निर्माता और उनके जिम्मेदार संरक्षक दोनों तैयार होंगे। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी और जी पुल्ला रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद, विकास और अनुराधा आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका आए और फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी से स्नातक डिग्री हासिल की।

अमेरिका में गृह सुरक्षा विभाग के 'मिस्टर सिंह' संबंधी विज्ञापन पर विवाद बढ़ा

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग के उस विज्ञापन पर विवाद बढ़ गया है जिसमें 'मिस्टर सिंह' को खुद देश छोड़ते दिखाया गया है। अधिकार समूहों ने इस विज्ञापन को ''नस्लवादी'' और ''अमेरिका-विरोधी'' करार दिया है। गृह सुरक्षा विभाग ने बिना लाइसेंस वाले वाणिज्यिक चालकों के खिलाफ अपने अभियान के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कृत्रिम मेधा (एआई) से तैयार तस्वीरों का इस्तेमाल किया जिसमें भूरी दाढ़ी वाले एक व्यक्ति को दिखाते हुए संदेश लिखा गया है-''हमारी सड़कों से दफा हो जाओ, 'मिस्टर सिंह' आपको वाहन चलाना नहीं आता। 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में 'ट्रांसफॉर्मर्स' (जानी मानी अमेरिकन-जापानी फिल्म) के मुख्य खलनायक किरदार 'मेगाट्रॉन' को 'एलियंस' की रिहाई के लिए बातचीत करते दिखाया गया है। अमेरिकी प्रशासन विदेशी नागरिकों के लिए 'एलियंस' शब्द का इस्तेमाल करता है। वीडियो में 'मेगाट्रॉन' सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों में शामिल ट्रक चालकों हरजिंदर सिंह, राजविंदर कुमार, बेकझान बेशेकीव, अखरोर बोजोरोव और जसवीर सिंह की रिहाई की मांग करता नजर आ रहा है। गृह सुरक्षा विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अगर आप इस देश में शत्रुतापूर्ण इरादे से कदम रखते हैं, तो यह जान लें कि हम अपनी रक्षा करेंगे। हम अमेरिकी मूल्यों की रक्षा करेंगे। हम अपने देश की रक्षा करेंगे। एक अन्य पोस्ट में 'ट्रांसफॉर्मर्स' के मुख्य नायक 'ऑप्टिमस प्राइम' को गृह सुरक्षा विभाग का पहचान-चिह्न बाजू पर पहने हुए दिखाया गया है। वह भूरे रंग की दाढ़ी वाले व्यक्ति से कहता है- 'खुद देश छोड़कर चले जाओ, वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। विज्ञापन में 'मिस्टर सिंह' के संदर्भ की 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' (एचएएफ) और 'सिख कोएलिशन' सहित प्रमुख अधिकार समूहों ने कड़ी आलोचना की है।

एचएएफ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सिंह हिंदू हैं, वे सिख हैं, वे अमेरिकी हैं और वे गाड़ी चलाते हैं। गृह सुरक्षा विभाग की ओर से की जा रही नस्लीय और भारतीय-विरोधी पहचान के आधार पर निशाना बनाने और उपहास की इस कोशिश के खिलाफ देश को एक साथ खड़े होना चाहिए और आवाज उठानी चाहिए। एचएएफ ने सहायक अटॉर्नी जनरल हरमीत के. ढिल्लों और एफबीआई निदेशक काश पटेल को सलंग्न करते हुए कहा, ''यह एक संघीय एजेंसी की ओर से की गई भेदभावपूर्ण पोस्ट है, जो महज राजनीतिक संदेशबाजी से कहीं आगे की बात है। हम चाहते हैं कि इस मामले की जांच की जाए। 'सिख कोएलिशन' ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''9/11 के 25 साल बाद भी, सिखों को उनके पहनावे और रूप-रंग के कारण निशाना बनाया जा रहा है। सिख संगठन ने कहा, ''अमेरिका में रहने वाले लाखों सिखों का उपनाम 'सिंह' है, जिसका अर्थ शेर होता है। हम सिख के रूप में अपनी पहचान जाहिर करने से नहीं डरते- भले ही हमारी अपनी सरकार हमें दुश्मन के रूप में पेश करे।''

एक नजर

गांधीनगर में स्लैब ढहने की घटना की जांच तेज, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ली जानकारी

गांधीनगर,एजेंसी। गांधीनगर के कुडासन स्थित निर्माणाधीन 'बोस्की द एम्पायर' में बुधवार देर रात स्लैब ढहने की घटना के बाद आज प्रशासन ने राहत एवं जांच कार्य तेज कर दिया है। महानगरपालिका के उप आयुक्त क्रांति अमृतिया अधिकारियों की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस बीच मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर जानकारी दी कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने टेलीफोन पर बातचीत कर घटना और बचाव कार्य की जानकारी ली तथा राहत कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। गौरतलब है कि बुधवार रात करीब 9 बजे दो निर्माणाधीन इमारतों के बीच का स्लैब अचानक ढह गया था। इसके मलबे में 15 श्रमिक फंस गए थे। दमकल विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने अभियान चलाकर सभी श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था। इस हादसे में घायल हुए 12 श्रमिकों को तत्काल गांधीनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मिता परीख ने बताया कि सभी मरीजों की हालत पूरी तरह स्थिर है। इनमें से चार मरीजों को आईसीयू में तथा आठ मरीजों को सामान्य वार्ड में रखा गया है। किसी भी मरीज को जानलेवा या गंभीर चोट नहीं आई है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि निर्माणाधीन ढांचे के एक पाए में क्षति होने से स्लैब पर भार बढ़ गया और इसके कारण वह ढह गया। घटनास्थल से मलबा हटाने का काम जारी है। साथ ही, निर्माण में सुरक्षा मानकों के पालन और जिम्मेदार लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

प्रदेश के 50 लाख लाभार्थियों को 1890 करोड़ की राशि ट्रांसफर

चंडीगढ़,एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न योजनाओं के तहत 50 लाख 28 हजार 208 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे एक हजार 890 करोड़ 16 लाख रुपये की राशि जारी की। इनमें दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की किस्त, बुजुर्गों व दिव्यांगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जरूरतमंद परिवारों को दयालु योजना की आर्थिक सहायता, गृहिणियों को गैस सब्सिडी, किसानों को भावांतर भरपाई शामिल है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को हरियाणा निवास में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना की 11वीं किस्त जारी की गई है। इसके तहत 10 लाख 10 हजार लाभार्थी बहन-बेटियों के खातों में 212 करोड़ 16 लाख रुपये डाले गए हैं। इसके साथ ही योजना के तहत अब तक 11 किस्तों में 2 हजार 254 करोड़ 47 लाख रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। आगामी 17 सितंबर से 1 लाख 80 हजार रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों को भी इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विभिन्न 15 सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 35 लाख 6 हजार 841 लाभार्थियों के खातों में 1 हजार 129 करोड़ 5 लाख रुपये की राशि सीधे ट्रांसफर की गई है। इनमें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांग भत्ता सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन शामिल हैं। इसके अलावा, दयालु योजना के तहत 4 हजार 520 परिवारों को 168 करोड़ 13 लाख 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इनमें दयालु योजना-2 के 70 परिवार भी शामिल हैं। आज जारी राशि को मिलाकर अब तक 89 हजार 56 परिवारों को 3 हजार 320 करोड़ 61 लाख 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर-हर गृहिणी योजना' के तहत जुलाई माह में गैस सिलेंडर रिफिल करवाने वाली 5 लाख महिलाओं के खातों में आज 19 करोड़ 68 लाख रुपये की सब्सिडी भी ट्रांसफर की गई है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। आज जारी राशि को मिलाकर अब तक 14 लाख 65 हजार पात्र बहनों के बैंक खातों में कुल 359 करोड़ 82 लाख रुपये की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने आज भावांतर भरपाई योजना के तहत आलू, फूल गोभी और शहद के लिए 6 हजार 177 किसानों को 49 करोड़ 89 लाख रुपये की भावांतर राशि जारी की गई है।

अगली पीढ़ी के सुधारों में विनियमन कम करने की जरूरत: राजीव गौबा

मुंबई,एजेंसी। नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने गुरुवार को अगली पीढ़ी के सुधारों में विनियमन को कम करने तथा नियमों और कानून को सरल एवं बाधारहित बनाने की जरूरत बताई। उन्होंने सुधारों के अगले चरण में जमीनी स्तर के बुनियादी सुधारों पर ध्यान देने की जरूरत बताई। गौबा ने अलग-अलग रूप में मौजूद लाइसेंस, मंजूरी, अनुमति और बार-बार नवीनीकरण की व्यवस्था को समाप्त करने की वकालत की। राजीव गौबा ने मुबई में ग्लोबल फिनटेक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। 'विनियमन से परिवर्तन तक: भारत की अगली पीढ़ी के सुधार ढांचे का निर्माण' विषय पर अनौपचारिक चर्चा में पिछले दशक के सुधारों पर विचार करते हुए गौबा ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर, दिवालियापन एवं दिवालिया संहिता और उदारीकृत विदेशी निवेश व्यवस्था जैसे उपायों ने अर्थव्यवस्था को नया रूप दिया है और उन क्षेत्रों को भी खोल दिया है, जिन्हें कभी निजी उद्यम के लिए वर्जित माना जाता था, जिनमें रक्षा, अंतरिक्ष तथा अब परमाणु ऊर्जा शामिल हैं।

गौबा ने आगे कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों की रूपरेखा 'विनियमन' से परिभाषित होनी चाहिए, जिसमें बुनियादी और व्यावहारिक सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया जाए और लाइसेंस-अनुमोदन-अनुमति तथा बार-बार नवीनीकरण

की प्रचलित व्यवस्था को समाप्त किया जाए। उन्होंने अपने संबोधन में कानूनों, विनियमों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की व्यवस्थित समीक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कई महत्वपूर्ण सुधार राज्यों और नगर निगम सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

उन्होंने राज्य और शहर स्तर पर विश्वास-आधारित शासन सिद्धांतों को लागू करने के लिए गठित विनियमन कार्य बल द्वारा किए जा रहे कार्यों की ओर इशारा किया। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना और शहरी चुनौती कोष का हवाला देते हुए उन्होंने केंद्र सरकार के दृष्टिकोण को 'प्रतिस्पर्धी बढ़त वाला सहकारी संघवाद' बताया, जहां योजना प्रोत्साहन सुधार के लक्ष्यों से जुड़े होते हैं और परियोजनाओं का चयन चुनौती पद्धति के माध्यम से किया जाता है। फिनटेक के विषय पर बोलते हुए गौबा ने इस क्षेत्र में भारत की अभूतपूर्व वृद्धि और वित्तीय समावेशन एवं पहुंच में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, आधार और यूपीआई से लेकर डिजिलॉकर और खाता एकत्रीकरण ढांचे तक को एक ऐसे मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया, जिसे विश्व अनुकरण कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों में विनियमन को जनहित की रक्षा और नवाचार को फलने-फूलने देने के बीच एक गतिशील संतुलन बनाए रखना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ब्रिक्स सम्मेलन भारत के लिए एक बड़ी आर्थिक उपलब्धि का मार्ग करेगा प्रशस्त: खंडेलवाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं सशक्त नेतृत्व में नईं दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित होने जा रहा 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भारत के लिए वैश्विक आर्थिक अवसरों के एक नए अध्याय का शुभारंभ करेगा। यह वैश्विक दक्षिण की एक अग्रणी आवाज के रूप में भारत की भूमिका को और मजबूत करेगा। यह बात चांदनी चौक से सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कही। खंडेलवाल ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में भारत को एक नई प्रतिष्ठा और निर्णायक भूमिका प्रदान की है। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिक्स भारत के लिए एक ऐसा सशक्त मंच है, जिसके माध्यम से व्यापार, निवेश, निर्यात, तकनीकी साझेदारी और कारोबारी अवसरों को नई गति दी जा सकती है।

खंडेलवाल ने 'ब्रिक्स बिजनेस फैसिलिटेशन मिशन फॉर एमएसएमईज एंड ट्रेडर्स' के गठन का प्रस्ताव रखा। कैट महामंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य भारतीय व्यापारियों, निर्यातकों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को ब्रिक्स सदस्य देशों के बाजारों से सीधे जोड़ने के लिए एक समर्पित व्यवस्था विकसित करना होगा। यह मिशन बिजनेस-टू-बिजनेस संपर्क, उत्पादवार निर्यात अवसरों की पहचान, बाजार संबंधी जानकारी, बायर-सेलर मीट, व्यापार प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा एमएसएमई एवं व्यापारियों के व्यावहारिक मुद्दों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि विस्तारित ब्रिक्स साझेदारी भारतीय एमएसएमई, निर्माताओं, निर्यातकों, व्यापारियों, स्टार्टअप्स और सेवा क्षेत्र के लिए नए बाजारों के द्वार को खोलेगी। खंडेलवाल ने कहा कि टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, खाद्य पदार्थ, इलेक्ट्रॉनिक्स, हस्तशिल्प, खिलौने और पारंपरिक भारतीय उत्पादों के साथ अनेक क्षेत्रों में 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' की अपार संभावनाएं भी हैं। सांसद खंडेलवाल ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था में भागीदारी नहीं कर रहा है, बल्कि उसकी दिशा और एजेंडा को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ब्रिक्स बिजनेस फैसिलिटेशन मिशन इस नेतृत्व को जमीनी स्तर के अवसरों में परिवर्तित करते हुए भारतीय एमएसएमई और व्यापारियों को सीधे नए वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।'

भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव में लघु जलविद्युत की विशिष्ट भूमिका: श्रीपाद येसो नाइक

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने गुरुवार को कहा कि देश के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव में लघु जलविद्युत की विशिष्ट भूमिका है। उन्होंने कहा कि लघु जलविद्युत दूरस्थ क्षेत्रों में ऊर्जा सुरक्षा, विकेंद्रीकृत उत्पादन, रोजगार और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दे सकती है।

श्रीपाद येसो नाइक ने नई दिल्ली में भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन और एक्सपो 2006 तथा लघु जलविद्युत सत्र के पूर्वावलोकन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। नाइक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के पारंपरिक से स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में उल्लेखनीय बदलाव आया है, जिससे देश वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में अग्रणी बन गया है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और रोजगार सृजन का प्रमुख साधन बनकर उभरी है। नाइक ने अपने संबोधन में बताया कि भारत ने गैर-जीवाश्म ईंधन से प्राप्त होने वाली विद्युत में भी 300 गीगावाट से अधिक स्थापन क्षमता हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि भारत के ऊर्जा परिवर्तन की शक्ति देश की भौगोलिक स्थिति, संसाधनों और विकास आवश्यकताओं के अनुरूप विविध, संतुलित और सुदृढ ऊर्जा पोर्टफोलियो निर्माण में निहित है। इस संदर्भ में नाइक ने लघु जलविद्युत की अपार संभावनाओं पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत की मौजूदा आंकलित लघु जलविद्युत क्षमता लगभग 21 गीगावाट है, जो 7,100 से अधिक निर्दिष्ट स्थलों में व्याप्त है। इसमें से अभी मात्र लगभग 5.2 गीगावाट का ही उपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा इसी वजह से इस क्षेत्र में आगे भी विकास की अपार संभावनाएं हैं। नाइक ने वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित लघु जल विद्युत विकास योजना का भी उल्लेख किया, जिसमें 2,584.60 करोड़ रुपये के परिव्यय से लगभग 1,500 मेगावाट की नई लघु जल विद्युत क्षमता निर्माण का लक्ष्य है। इस योजना के तहत राज्यों को लगभग 200 परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार देने को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे भविष्य के लिए कई लघु जल विद्युत परियोजनाएं तैयार होंगी। उन्होंने आगे कहा कि 2 से 5 नवंबर, 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन और एक्सपो 2026 में लघु जलविद्युत पर समर्पित सत्र-नीतिगत सुधारों, निवेश, वित्तपोषण, प्रौद्योगिकी और साझेदारी पर विचार-विमर्श का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

सेवा संकल्प अभियान में सभी जनप्रतिनिधि सक्रिय सहभागिता करें, अपने क्षेत्रों में मिलकर कार्यक्रमों को जनभागीदारी का स्वरूप दें : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश के सभी सांसदों, जिला पंचायत अध्यक्षों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, महापौरों, नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्षों और ब्लॉक प्रमुखों के साथ वर्चुअल बैठक की। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से 'सेवा संकल्प अभियान' से जुड़ने और अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के साथ मिलकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने अभियान के 12 प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल को समर्पित यह अभियान तभी सार्थक होगा, जब इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी हो। सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से अभियान की पहुंच गांव से लेकर शहर तक और समाज के हर वर्ग तक होगी।

मुख्यमंत्री ने 17 सितंबर को 'सेवा दिवस-आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में भी जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। 17 सितंबर को सेवा दिवस के साथ विश्वकर्मा जयंती पर सभी विधानसभा क्षेत्रों में विश्वकर्मा पूजन और शिल्पकारों को टूलकिट वितरण किया जाएगा। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में शाम सात बजे लाभार्थी परिवारों के साथ दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। डबल इंजन सरकार की योजनाओं से बने प्रमुख भवनों और विकास परियोजनाओं के स्थलों पर भी दीप जलाए जाएं। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से अपने-अपने क्षेत्रों में इन कार्यक्रमों में उपस्थित रहने को कहा। उन्होंने कहा कि 'मेरे सपनों का

भारत' कार्यक्रम में सभी सरकारी और निजी बेसिक, माध्यमिक तथा उच्च शिक्षण संस्थानों को जोड़ा जाए। विद्यार्थियों की चित्रकला, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के साथ शिक्षकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। इससे बच्चों और युवाओं को देश की विकास यात्रा से जोड़ने का अवसर मिलेगा। 'नमो सेवा, अनकही कहानियां' कार्यक्रम 18 सितंबर से प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं में आयोजित किया जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें पर्यटन विभाग नोडल विभाग की भूमिका निभाए। स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देने के साथ विद्यार्थियों और शिक्षकों को भी कार्यक्रम से जोड़ा जाए। उनके माध्यम से सेवा, सुशासन और विकास की उन कहानियों को लोगों तक पहुंचाया जाए, जो हमारे आसपास ही आकार ले रही हैं। 'आंगन मिलन सेवा' के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ हेल्दी बेबी प्रतियोगिता भी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम को केवल आयोजन तक सीमित न रखा जाए। माताओं तक पोषण, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास से जुड़ी जरूरी जानकारी भी सहज ढंग से पहुंचाई जाए। 'सेवा की कहानी' के तहत पिछले साढ़े नौ वर्षों में आए बदलावों को लाभार्थियों की अपनी कहानियों के जरिए सामने लाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के हर क्षेत्र में बदलाव आया है और बिना भेदभाव लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इन बदलावों की असली तस्वीर लाभार्थियों के अनुभवों से ही सामने आएगी। उन्होंने कहा कि वीडियो रील में लाभार्थी का नाम, ग्राम, जनपद और योजना का नाम जरूर दिया जाए।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने कम्युनिटी आउटरीच, खेल गतिविधियों और विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला के साथ विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2026 मनाया

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के सेंटर फॉर फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन साइंसेज (CPRS) ने विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2026 मनाने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों का मुख्य विषय था: 'हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम, प्रबंधन और रिहैबिलिटेशन में फिजियोथेरेपी और शारीरिक गतिविधि की भूमिका।'

इस आयोजन के तहत, CPRS ने अबुल फज़ल RWA कार्यालय के सहयोग से 5 सितंबर 2026 को RWA कार्यालय, ष्ठ-ब्लॉक, जामिया नगर, ओखला, नई दिल्ली में कम्युनिटी स्तर पर एक मुफ्त फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित किया। इस कैंप का उद्देश्य समुदाय के लोगों में हृदय स्वास्थ्य, स्ट्रोक की रोकथाम, शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य व कार्यात्मक स्वतंत्रता बनाए रखने में फिजियोथेरेपी की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करना था। यह कैंप डॉ. मुअज्जम हुसैन खान के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। इस आयोजन में 7 सितंबर 2026 को खेल गतिविधियां भी शामिल थीं, जिनका उद्देश्य प्रतिभागियों के बीच शारीरिक गतिविधि और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कई तरह की मनोरंजक

और खेल-आधारित गतिविधियां आयोजित की गईं। बैडमिंटन, वॉलीबॉल, रिले रेस, रस्साकशी, खो-खो और आर्म रेसलिंग जैसी गतिविधियों ने प्रतिभागियों को अपनी शारीरिक फिटनेस, समन्वय, सहनशक्ति और टीम वर्क को बेहतर बनाने का मौका दिया। इस खेल आयोजन का समन्वय प्रो. सूरज कुमार और डॉ. मो. शाहिद रज़ा ने किया।

इस कार्यक्रम का समापन 8 सितंबर 2026 को जामिया के यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में एक सेमिनार के साथ हुआ, जिसमें हृदय रोगों और स्ट्रोक की रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास में फिजियोथेरेपी और शारीरिक गतिविधि की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में चिकित्सा और फिजियोथेरेपी के क्षेत्रों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। सर गंगा राम अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन और भारत के राष्ट्रपति के पूर्व फिजिशियन डॉ. मोहसिन वली (पद्म श्री) ने सभा को संबोधित किया। ISIC मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की असिस्टेंट प्रोफेसर और ऑपरेशन्स हेड डॉ. रिमशा सिद्दीकी और अपोलो नॉलेज की कार्डियोरेस्पिरेटरी फिजियोथेरेपिस्ट और असिस्टेंट डीन डॉ. बरनाली भट्टाचार्जी ने भी कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, फिजिकल एक्टिविटी और रिहैबिलिटेशन से जुड़ी अपनी विशेषज्ञ राय रखी। यह प्रोग्राम जामिया के ष्टक्क्रस्र में असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोग्राम इंचार्ज डॉ. अक्सा मुजद्दी की देखरेख में आयोजित किया गया था। वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे के सभी कार्यक्रम जामिया के ष्टक्क्रस्र के डायरेक्टर प्रो. मजुमी एम. नूहू की देखरेख में आयोजित किए गए इन पहल के ज़रिए, जामिया के CPRS ने कार्डियोवैस्कुलर बीमारी को रोकने, स्ट्रोक का जोखिम कम करने और रिकवरी व रिहैबिलिटेशन में मदद करने के लिए नियमित फिजिकल एक्टिविटी और कम्युनिटी अवेयरनेस के महत्व पर ज़ोर दिया।

त्योहारों को लेकर प्रशासन अलर्ट, पंडाल से लेकर विसर्जन तक सुरक्षा के कड़े निर्देश

रांची,एजेंसी। आगामी त्योहारों को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने गुरुवार को समाहरणालय सभागार में बैठक की। बैठक में पुलिस और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की गई। राजधानी रांची में आने वाले गणेश चतुर्थी, करम पर्व, दुर्गापूजा, दीपावली, छठ और काली पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा, ट्रैफिक, साफ-सफाई और विसर्जन व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने कई अहम निर्देश जारी किए हैं। उपायुक्त ने पूजा समितियों को पंडाल निर्माण में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा। पंडाल में आने-जाने के लिए पर्याप्त रास्ते, इमरजेंसी एग्जिट, सुरक्षित बिजली वायरिंग और अग्निशमन उपकरण की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया गया।

प्रशासन ने यह भी साफ कर दिया कि पंडाल या तोरण द्वार को बिजली के खंभे, ट्रांसफॉर्मर या किसी अन्य विद्युत संरचना से सटाकर नहीं बनाया जाएगा। बिजली विभाग को पूजा

पंडालों का नियमित निरीक्षण करने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। पूजा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर भी प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती दिखाई है। समितियों को तय किए गए विसर्जन मार्ग का ही इस्तेमाल करना होगा।

विसर्जन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की एमवीआई जांच, चालक के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच और नो-एल्कोहोल टेस्ट के बाद ही वाहन को विसर्जन में शामिल करने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए पूजा समितियों से अंडरटेकिंग भी लेने को कहा गया है। करम पर्व के दौरान तालाबों और पूजा स्थलों पर भीड़ को देखते हुए नगर निगम को साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था करने को कहा गया है। जरूरत पड़ने पर क्रेन की व्यवस्था भी रखने का निर्देश दिया गया। छठ पर्व को लेकर सभी घाटों की समय पर सफाई, पर्याप्त लाइटिंग, सुरक्षित रास्ते और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। ज्यादा भीड़ वाले घाटों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। दीपावली के दौरान शहर में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)